प्रयागराज, रविवार 29 मार्च 2026 से 04 अप्रैल 2026 तक
वर्ष-14, अंक-12
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटाई,कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं, इसे रोकने के लिए फैसला

नयी दिल्ली। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती कर दी है। पेट्रोल पर ड्यूटी रु13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर

रु3 रुपए, जबकि डीजल पर रु10 से शून्य कर दी गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने यह जानकारी दी। यूएस-इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 73 डॉलर से बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को घाटा हो रहा था। घाटा कवर करने के लिए तेल कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं। एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा गया है। कटौती का असर 7 सवालों के जवाब से समझें- सवाल 1: सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कितनी कटौती की है? जवाब: न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में रु10 की कमी की है, जिससे अब यह घटकर रु3 प्रति लीटर रह गई है। वहीं, डीजल पर भी रु10 की कटौती की गई है, जिससे अब डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी जीरो (0) हो गई है। सवाल 2: क्या कल से पेट्रोल-डीजल के दाम रु10 कम हो जाएंगे? नहीं, इसकी संभावना कम है। भले ही सरकार ने टैक्स कम किया है, लेकिन पेट्रोल-डीजल के रिटेल रेट सीधे सरकार तय नहीं करती। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी तेल कंपनियां कच्चे तेल की कीमत और अपने मुनाफे के आधार पर रेट तय करती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि कंपनियां इस छूट का इस्तेमाल अपने पिछले घाटे की भरपाई के लिए करेंगी। सवाल 3: तेल कंपनियां दाम क्यों नहीं घटाना चाहतीं? जवाब: इसका मुख्य कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। पिछले कुछ हफ्तों से वेस्ट एशिया में चल रहे तनाव के कारण तेल कंपनियां महंगा क्रूड खरीद रही थीं, लेकिन उन्होंने घरेलू बाजार में दाम नहीं बढ़ाए थे। कंपनियां अब इस टैक्स कटौती का इस्तेमाल उस नुकसान को कवर करने और अपने मार्जिन को स्थिर करने में करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तेल कंपनियां फिलहाल पेट्रोल पर 24 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 30 रुपए प्रति लीटर का घाटा सह रही हैं। सवाल 4. प्राइवेट कंपनियां क्या रुख अपना रही हैं? जवाब: प्राइवेट प्लेयर पहले ही दबाव में हैं। सरकार के इस फैसले से ठीक एक दिन पहले ही नायरा एनर्जी ने पेट्रोल रु5 प्रति लीटर और डीजल रु3 महंगा कर दिया था। अब भोपाल में इस कंपनी का पेट्रोल 111.72 रुपए और डीजल 94.88 रुपए पर पहुंच गया है।। इससे साफ है कि प्राइवेट प्लेयर्स के लिए मौजूदा रेट पर तेल बेचना मुश्किल हो रहा है।सवाल 5: क्या भविष्य में दाम और बढ़ सकते हैं? जवाब: यह पूरी तरह से ग्लोबल मार्केट पर निर्भर है। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर ट्रेड कर रहा है। अगर वेस्ट एशिया में तनाव और बढ़ता है और सप्लाई चेन बाधित होती है, तो कच्चे तेल की कीमतें और ऊपर जा सकती हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

सरकार बोली- देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा,डर का माहौल न बनाएं

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। उन्होंने संसद के बाहर कहा- हालात काबू में हैं। पीएम मोदी खुद स्थिति पर

नजर बनाए हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी कहा कि लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। डर का माहौल न बनाएं। सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं है। प्रधानमंत्री ने चार दिन पहले संसद में कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। प्रधानमंत्री बीती शाम सभी मुख्यमंत्रियों से बात भी हुई. लॉकडाउन के सवाल पर रिजिजू का पूरा बयान पढ़िए-सवाल: क्या देश में लॉकडाउन लगने वाला है?जवाब: नहीं, नहीं, ये सब कौन अफवाह उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। जमाखोरियों को चेतावनी दी है। राज्य सरकारों से कहा है कि कोई भी होर्डिंग न करे। भारत सरकार के कंट्रोल में पूरी स्थिति है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं।

सेना 800किमी रेंज वाली ब्रह्मोस क्रूज-मिसाइल खरीदेगी,अभी 450किमी तक निशाना साधने वाली मिसाइल मौजूद

नयी दिल्ली। भारतीय सेना 800 किमी से ज्यादा रेंज वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने की तैयारी में

है। फिलहाल सेना के पास 450 किमी तक मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस मिसाइल मौजूद है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सेना इस नए वर्जन का बड़ा ऑर्डर देने की योजना बना रही है। रक्षा मंत्रालय की उच्चस्तरीय बैठक में इस प्रस्ताव को जल्द मंजूरी मिल सकती है। मई 2025 में भारत-पाकिस्तान जंग के दौरान ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल किया गया था। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान एयरफोर्स के कई ठिकानों को निशाना बनाया था।अब 800 किमी की रेंज वाले नई मिसाइलों के आने के बाद दिल्ली से ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को निशाना बनाया जा सकेगा। दिल्ली और इस्लामाबाद की हवाई दूरी 700 किमी है।भारतीय सेना एक समर्पित मिसाइल फोर्स बनाने और मिसाइलों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रही है। सेना अपने वर्कशॉप में ड्रोन का बड़े पैमाने पर निर्माण भी कर रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग ने लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों की अहमियत को और बढ़ा दिया है। नई पीढ़ी के युद्ध को देखते हुए सेना बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल शामिल कर रही है। इसके तहत आर्टिलरी और इन्फैंट्री यूनिट्स में स्पेशल ड्रोन रेजिमेंट और प्लाटून बनाए जा रहे हैं। भारत-रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है ब्रह्मोस-ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब स्वदेशी हो चुका है। यह मिसाइल तीनों सेनाओं के पास है और इसे हवा, समुद्र और जमीन से हमले के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ब्रह्मोस को भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और रूस के फेडरल स्टेट यूनिटरी इंटरप्राइज के बीच साझा समझौते के तहत विकसित किया गया है। ब्रह्मोस एक मध्यम श्रेणी की स्टील्थ रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इस मिसाइल को जहाज, पनडुब्बी, एयरक्राफ्ट या फिर धरती से लॉन्च किया जा सकता है। रक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ब्रह्मोस का नाम भगवान ब्रह्मा के ताकतवर शस्त्र ब्रह्मास्त्र के नाम पर दिया गया। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि इस मिसाइल का नाम दो नदियों भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है। ऐसा माना जाता है कि ये एंटी-शिप क्रूज मिसाइल के रूप में दुनिया में सबसे तेज है।

पेट्रोल पंपों पर लगी लाइनें गोंडा में धक्का-मुक्की,सरकार बोली- अफवाह फैलाने वालों पर एक्शन लेंगे

लखनऊ। यूपी में पेट्रोल पंपों पर लाइनें लगी हैं। तेल खत्म होने की

अफवाह के चलते तीसरे दिन यानी शुक्रवार को भी लोग बड़े-बड़े डिब्बे और ड्रम लेकर पेट्रोल-डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। भीड़ की वजह से घंटों इंतजार भी कर रहे हैं। लखनऊ के कठौता चौराहे पर पेट्रोल-डीजल के लिए 500 मीटर लंबी लाइन लगी है। गोंडा के धानेपुर में एक पेट्रोल पंप पर डीजल लेने के लिए जमकर धक्का-मुक्की हुई। आगे पहुंचने के चक्कर में कुछ लोगों ने एक-दूसरे को खींचकर लाइन से बाहर निकाला। योगी सरकार ने गुरुवार को साफ किया कि ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। पेट्रोल-डीजल को लेकर किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग रणवीर प्रसाद ने बताया- कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। सभी जिलों में मांग के अनुसार, पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में करीब 13,168 पेट्रोल पंप चल रहे हैं। पंप मालिकों का कहना है कि अचानक 3 से 4 गुना तक भीड़ बढ़ गई। उन्हें समझ में भी नहीं आ रहा कि तेल पर्याप्त होने के बावजूद ऐसा क्यों हो रहा।सरकार ने यह भी कहा- अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण करने से आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। इसलिए आम लोग संयम बरतें और सामान्य जरूरत के अनुसार ही खरीदारी करें। प्रदेश सरकार ने भरोसा दिलाया है कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। पेट्रोल-डीजल को लेकर किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। लखनऊ पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के सदस्य एवं एसआर फिलिंग स्टेशन (इंजीनियरिंग कॉलेज) के मालिक सर्वेश वाजपेई ने कहा- पेट्रोल एवं डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पंप 24 घंटे सुचारू रूप से संचालित हैं। लोगों को घबराकर डीजल-पेट्रोल स्टोर करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

लखनऊ-कानपुर समेत 8 जिलों में बारिश,ठंडी हवाएं चल रहीं,5 दिन बिगड़ा रहेगा मौसम

लखनऊ। यूपी में मौसम बिगड़ गया है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, सीतापुर, बरेली और संभल में हल्की बारिश हुई। सुबह 10.30 बजे के

बाद प्रयागराज, कानपुर और उन्नाव में बारिश शुरू हुई। नोएडा, आगरा और मेरठ समेत 10 जिलों में बादल छाए हैं। 30 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। आज 38 जिलों में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से मौसम बदला है। अगले 5 दिनों तक मौसम बिगड़ा ही रहेगा। कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं। आंधी भी चलेगी। पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश के औसत तापमान में 5°C तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बांदा सबसे गर्म रहा, यहां अधिकतम तापमान 40.2°C रहा। सबसे कम तापमान मुजफ्फरनगर में 15.4°C रिकॉर्ड किया गया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-'पाकिस्तान से आ रहीं हवाओं ने यूपी में प्रवेश किया। इससेबूंदाबांदी की शुरुआत हुई। 29 मार्च को दूसरा विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होगी। 40-50 की रफ्तार से हवा चलेगी। 3°C तक पारा गिरेगा।' अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम? 28 मार्च - पश्चिमी और पूर्वी यूपी के ज्यादातर इलाकों में मौसम साफ रहेगा। कुछ इलाकों में बौछारें पड़ सकती हैं। 29 मार्च - पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी आशंका है। 30 मार्च - पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी। कुछ जगहों पर तेज बारिश भी हो सकती है। आंधी भी चल सकती है। 31 मार्च - पश्चिमी यूपी में बौछारें पड़ेंगी। पूर्वी यूपी में अच्छी बारिश हो सकती है। 30-40 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी।1 अप्रैल- पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रहेगा। पूर्वी यूपी में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

एमपी में बिजली की दरें 4.80फीसदी बढ़ीं,एक अप्रैल से लागू होंगे नए रेट, दिन में ईवी चार्ज करने पर 20 प्रतिशत छूट

जबलपुर। मध्य प्रदेश में बिजली की दरों में 4.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। नए रेट एक अप्रैल से लागू होंगे। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नया टैरिफ

आदेश जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, इस बार घरेलू, गैर-घरेलू, औद्योगिक और कृषि श्रेणियों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। नए टैरिफ आदेश में लो टेंशन उपभोक्ताओं को राहत मिली है, जिनके लिए न्यूनतम शुल्क समाप्त कर दिया गया है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पहले की तरह स्लैब सिस्टम लागू रहेगा, जिसमें कम खपत पर कम और अधिक खपत पर ज्यादा दर से बिल लिया जाएगा। वहीं, गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लोड और खपत के आधार पर रेट लगेगा। इंडस्ट्रियल कस्टमर के लिए स्थायी शुल्क और ऊर्जा शुल्क अलग-अलग तय किए गए हैं जबकि कृषि उपभोक्ताओं को चरणबद्ध दरों के अनुसार बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए भी नए टैरिक आदेश में विशेष प्रावधान किए गए हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशनों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली उपयोग पर 20फीसदी की छूट मिलेगी जबकि दूसरे समय में 20फीसदी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। कंपनियों ने गिनाए बढ़ोतरी के कारण-बिजली कंपनियों का कहना है कि उनकी आर्थिक हालत बहुत खराब है और वे बहुत बड़े घाटे में चल रही हैं। संचित घाटा: प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियां (पूर्व क्षेत्र, मध्य क्षेत्र और पश्चिम क्षेत्र) कुल मिलाकर 42,375 करोड़ रुपए के भारी घाटे में हैं यानी पुराने सालों का जमा हुआ नुकसान बहुत ज्यादा है।

पुराने प्रस्ताव अस्वीकार: कंपनियों का दावा है कि 2014-15 से 2022-23 तक उनके द्वारा मांगे गए 3,451 करोड़ रुपए के बढ़ोतरी प्रस्तावों को राज्य विद्युत नियामक आयोग ने मंजूर नहीं किया। इससे उनकी वित्तीय स्थिति और बिगड़ गई है। स्मार्ट मीटर का खर्च: स्मार्ट मीटर लगाने पर 820 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। अब कंपनियां इस खर्च को भी उपभोक्ताओं से वसूलना चाहती हैं।बिजली खरीद का अतिरिक्त खर्च: बिजली खरीदने पर लगभग 300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च बताया गया है।

रामलला का सूर्य तिलक, 9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें,अयोध्या पहुंचे लाखो श्रद्धालु

अयोध्या। अयोध्या में रामनवमी पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक हुआ। 9 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। लगाया गया। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम (स्ट्रक्चर) बनाया गया है। 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। पीएम मोदी ने टीवी पर इसे लाइव देखा। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। उन्होंने विशेष पूजा और आरती की। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए गए। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग किरणें पहुंचाई गईं। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। सुबह 5.30 बजे रामलला को पीतांबर पहनाया गया। फिर आरती की गई। आज आम दिनों के मुकाबले भक्त 3 घंटे ज्यादा रामलला के दर्शन कर पाएंगे। सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक यानी 18 घंटे दर्शन होंगे। पहले सुबह 6:30 से रात 9:30 तक दर्शन होते थे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में खामेनेई की तस्वीर लेकर प्रदर्शन,बीजेपी-कांग्रेस विधायकों में भी विवाद/हाथापाई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला

सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई।इजराइल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला

अली खामेनेई की मौत को लेकर प्रदर्शन हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता खामेनेई की तस्वीर लेकर सदन के अंदर पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओ ने खामेनेई के पोस्टर भी लहराए। इस बीच, सदन में कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच धक्का-मुक्की का भी वीडियो सामने आया। हालांकि, ये विवाद भाजपा नेताओं के राहुल पर कमेंट को लेकर था।दरअसल कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने कहा, राहुल गांधी पप्पू हैं। इसके बाद दोनों नेताओं में हाथापाई होने लगी। साथी मेंबर्स ने बीच-बचाव किया। इसके बाद किया था। इन्हीं हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी।नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा, हम ईरान के साथ खड़े हैं। हमारी पार्टी और जम्मू-कश्मीर की सरकार उनके साथ खड़ी है। जैसे सीएम उमर अब्दुल्ला ने पिछली बार सिविल सोसाइटी में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा की थी। वैसे ही, आज हम सब यहां खड़े हैं। हम समझते हैं कि जिस तरह से खामेनेई को मारा गया, किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का कोई हक नहीं है। मुझे लगता है कि देश की टॉप लीडरशिप को इसकी निंदा करनी चाहिए। हम ईरान के लोगों का सपोर्ट कर रहे हैं।

ईरान में जंग के लिए 10 लाख सैनिक तैयार,जमीनी लड़ाई की तैयारी, सेना में युवाओं की भर्ती तेज हुई

तेहरान। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने 10 लाख से ज्यादा ग्राउंड सैनिक जुटाने का दावा किया है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका जमीनी हमला कर सकता है। इसके चलते युवाओं में सेना में भर्ती की होड़ बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में बड़ी संख्या में युवा बसीज, रिवोल्यूशनरी गार्ड और सेना में शामिल होने के लिए आवेदन कर रहे हैं। वहीं, बयान उस समय आया जब ट्रम्प ने कैबिनेट बैठक में ऑस्ट्रेलिया के रुख पर निराशा जताते हुए कहा था, 'ऑस्ट्रेलिया अच्छा नहीं रहा, मैं थोड़ा हैरान हूं।' ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स का ई-7ए वेजटेल निगरानी विमान क्षेत्र में भेजा था, ताकि ईरान की ओर से हो रहे मिसाइल हमलों से निपटने में मदद मिल सके।हालांकि,

अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 एक्स्ट्रा सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस फोर्स में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हो सकती हैं।यह एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट में पहले से मौजूद 5,000 मरीन और 2,000 पैराट्रूपर्स के साथ जोड़े जाएंगे। ये पैराट्रूपर्स 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से हैं। ईरानी मीडिया ने तेहरान, कोम और उर्मिया के आवासीय क्षेत्रों पर रात में हुए हमले की सूचना दी। इसमें कई लोगों के घायल होने की खबर है।ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ट्रम्प की टिप्पणी पर जवाब देते हुए कहा कि उनके देश ने मिडिल ईस्ट में ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिका की किसी भी मदद के अनुरोध को ठुकराया नहीं है। यह जब ट्रम्प ने होर्मुज से गुजरने वाले टैंकरों की सुरक्षा के लिए सहयोग मांगा, तो ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि वह इसमें हिस्सा नहीं लेगा, क्योंकि उसे इस बारे में सीधा अनुरोध नहीं मिला था। बाद में ऑस्ट्रेलिया 22 देशों के उस समूह में शामिल हो गया, जिसने तेल की बढ़ती कीमतों के बीच समुद्री मार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए संभावित मिशन की योजना पर सहमति जताई। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अल्बनीज ने कहा कि उनका ट्रम्प के साथ अच्छा संबंध रहा है, लेकिन उन्होंने ऐसा कोई अनुरोध नहीं था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने मानने से इनकार किया हो।' उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पर हमले से पहले अमेरिका और इजराइल ने अपने सहयोगियों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था और ऑस्ट्रेलिया अपनी प्रतिक्रिया खुद तय करता है।

30 साल पुराने मारपीट मामले में राज बब्बर बरी, अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ लड़ा था चुनाव

लखनऊ। यूपी कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राज बब्बर को लखनऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने बुधवार को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने 1996 के लोकसभा चुनाव के दौरान उनके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों को खारिज कर उन्हें बरी कर दिया। इससे पहले विशेष अदालत ने 7 जुलाई, 2022 को उन्हें दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा और 8,500 रुपए का जुर्माना लगाया था। इस फैसले के बाद राज बब्बर ने सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच में याचिका लगाई थी। राज बब्बर ने 1996 में लखनऊ लोकसभा सीट पर

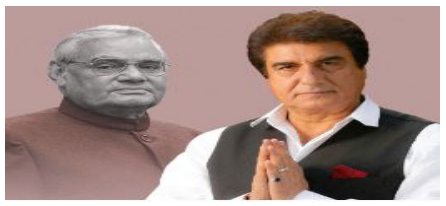

समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उस समय भाजपा के प्रत्याशी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। वोटिंग के दिन एक मतदान केंद्र पर फर्जी वोटिंग को लेकर चुनाव अधिकारी से राज बब्बर का झगड़ा हो गया था।इस झगड़े के बाद चुनाव अधिकारी ने वजीरगंज थाने में राज बब्बर के खिलाफ मारपीट और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का मुकदमा दर्ज किया।

प्रयागराज (नैनी) में सजा 'इन्फ्लुएंसर्स मीटअप 2026' का मंच- डिजिटल यूथ के स्टाइल और आत्मविश्वास का भव्य उत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में आयोजित इन्फ्लुएंसर्स मीटअप 2026 युवाओं के जोश, रचनात्मकता और फैशन सेंस का शानदार संगम बनकर उभरा। यह आयोजन केवल एक फैशन इवेंट नहीं, बल्कि डिजिटल युग में युवाओं की बढ़ती पहचान और प्रभाव का प्रतीक साबित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन आधुनिक समाचार के कैंपस में हुआ, जहाँ हर पल ऊर्जा, उत्साह और क्रिएटिविटी से भरा नजर आया।इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की जिम्मेदारी आरडीएक्स इवेंट टीम ने बेहद शानदार तरीके से निभाई। साथ ही, अनेक सहयोगियों का योगदान भी सराहनीय रहा, जिनकी मदद से यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश में पहली बार इस स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल युवा इन्फ्लुएंसर्स ने अपने

अनोखे स्टाइल, आत्मविश्वास और दमदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने यह साबित किया कि आज के दौर में फैशन केवल ट्रेंड नहीं, बल्कि खुद को व्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका है। इस खास अवसर का सबसे आकर्षक क्षण रहा-'बेस्ट ड्रेस्ड डिजिटल यूथ अवॉर्ड' जिसमें उन प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने पहनावे के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व और आत्मविश्वास से एक अलग पहचान बनाई। बेस्ट ड्रेस्ड डिजिटल यूथ विनर्स (Top 6) आयुषी शुक्ला, सुहानी द्विवेदी, जागृति सिंह, अवानी सिंह राजपूत, आस्था, श्वेता पांडेय, इन सभी विजेताओं ने अपने स्टाइल और आत्मविश्वास से यह संदेश दिया कि असली फैशन कपड़ों में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में झलकता है। यह आयोजन न सिर्फ एक इवेंट रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नई शुरुआत और प्रेरणा का स्रोत बन गया- जहाँ स्टाइल के साथ-साथ आत्मविश्वास और पहचान को भी मंच मिला।

बौद्ध श्रामणेरों व बौद्ध आचार्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। बोधिसत्व डॉ भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल स्कूल भीमी में गत दिनों आयोजित बौद्ध श्रामणेरों व बौद्धाचार्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय

के प्रबंधक रामसमुझ बौद्ध ने किया। उन्होंने इस दौरान उक्त कार्यक्रम में हुए आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्रमुख उपस्थित लोगों में बौद्ध धर्म गुरु भंते धम्म दीप भुपियामऊ, भंते धम्म दीप नुवावां, अम्बेडकर कल्याण समिति अमेठी के अध्यक्ष धर्मेंद्र बौद्ध, ओमप्रकाश गौतम जिलाध्यक्ष सुल्तानपुर शिवहर्ष मास्टर श्यामलाल पूरे केसरी हरिश्चंद्र उर्फ हरीश मास्टर कंधई राम जेठूपुर रामफल फौजी सचिव सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली (सोइया) इन्द्रपाल गौतम रामअभिलाष बौद्ध सदस्य जिला पंचायत नम्रता जायसवाल के प्रतिनिधि मुंशी जी श्याम सुंदर जायसवाल गुरुप्रसाद बौद्धाचार्य, आशा बौद्ध, रामकुमार, विजय कुमार साधूराम, किशोरी लाल, नीरज बौद्ध व के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि रहे।

तेल संकट के बीच सरकार का बड़ा दांवः पेट्रोल-डीजल सस्ता,ईरान-इजराइल तनाव के बीच पेट्रोल-डीजल पर राहत

केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े हालातों के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ने लगा था।इसी बीच केंद्र सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती का ऐलान किया है। सरकार के नए आदेश के अनुसार पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं डीजल पर लगने वाली 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है।सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 1 प्रतिशत गिरकर 107 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है, जबकि अमेरिकी कच्चा तेल भी लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 93.60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सकारात्मक बयानों से पश्चिम एशिया के तनाव को लेकर बाजार की चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिसका असर तेल की कीमतों पर पड़ा है।सरकार के इस कदम से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है, जिससे परिवहन लागत कम हो सकती है और महंगाई पर भी काबू पाने में मदद मिलेगी।

कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) केशल के महत्वपर कॉमिक्स

योगी को कानपुर की बच्ची ने बुलडोजर टॉय दिया,गिफ्ट लेकर सीएम हंस पड़े,फिर पांव भी पखारे

गोरखपुर। सीएम योगी को शुक्रवार सुबह गोरखपुर में 5 साल की बच्ची ने बुलडोजर टॉय गिफ्ट किया। गोरखनाथ मंदिर में पहुंचे

योगी ने बुलडोजर लेकर बच्ची के साथ फोटो खिंचवाई। फिर बच्ची से कहा- इसे अपने साथ ले जाओ। मन लगाकर पढ़ाई करना। बच्ची का नाम यशस्विनी सिंह है। वह परिवार के साथ कानपुर से गोरखनाथ मंदिर आई थी। इसके बाद योगी ने रामनवमी पर मां सिद्धिदात्री की आराधना कर 9 कन्याओं के पांव पखारे। योगी ने बुलडोजर टॉय गिफ्ट करने वाली यशस्विनी के भी पांव पखारे। चुनरी ओढ़ाई और तिलक लगाया। फिर सभी कन्याओं को भोजन कराकर उपहार दिए। यशस्विनी ने कहा- मुझे बुलडोजर पसंद है, इसलिए सीएम को दिया। पापा ने बुलडोजर खरीदा था। जब मैंने बुलडोजर दिया तो योगीजी ने कहा कि इसे खेलना और खूब पढ़ाई करना। बच्ची ने कहा- मैं ट्रेन में बैठी और मम्मी-पापा के साथ यहां पहुंची। बहुत दूर से आई हूं। यशस्विनी सिंह कानपुर के प्रताप इंटरनेशनल कॉलेज में नर्सरी की छात्रा हैं। वह अपने पिता अभय सिंह राजावत और मां प्रियदम्वा सिंह के साथ गोरखपुर आई थीं।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

राइजिंग चाइल्ड स्कूल में ग्रेजुएशन समारोह आयोजित, गाउन में सजे बच्चों को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शहर के प्रभुटाउन स्थित राइजिंग चाइल्ड स्कूल का ग्रेजुएशन समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। दो चरणों में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन न्यायिक मजिस्ट्रेट कृति किशोर, पी. आर. माथुर एवं नेहा शुक्ला द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट ने आए हुए अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया। प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा प्रदान करते हुए बच्चों के समग्र एवं बहुआयामी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, रचनात्मकता एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल दिया जाता है, ताकि छात्र-छात्राएं भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। समारोह में मुख्य

न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह, समाजसेवी आशीष प्रताप सिंह, सिविल जज स्वप्निल तबीबा, मिशिका, यशस्वी,

सिंह, सिविल जज अमित मिश्रा, जुडिशल मजिस्ट्रेट खैरुन्निसा, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, रोटरी क्लब के अध्यक्ष रजनीश कपूर, सचिव सचिन मल्होत्रा, नवीन मल्होत्रा, एफ. जी. डिग्री कॉलेज के प्रबंधन मंत्री अतुल भार्गव, धीरज श्रीवास्तव, पांडेय, अपर जिलाधिकारी अमृता सिंह, सिविल जज अमित मिश्रा, जुडिशल मजिस्ट्रेट खैरुन्निसा, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, रोटरी क्लब के अध्यक्ष रजनीश कपूर, सचिव सचिन मल्होत्रा, नवीन मल्होत्रा, एफ. जी. डिग्री कॉलेज के प्रबंधन मंत्री अतुल भार्गव, धीरज श्रीवास्तव, इनरव्हील क्लब से निधि मल्होत्रा, सतीश श्रीवास्तव, सहायक अभियंता रेलवे अरुण मिश्रा तथा आईसीआईसीआई बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक रोहित मिश्रा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रह कर बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। विद्यालय में अगली कक्षा के लिए उत्तीर्ण एवं पदोन्नत हुए छात्र-छात्राओं को ग्रेजुएशन गाउन एवं कैप पहनाकर जैसे ही प्रमाण-पत्र एवं परीक्षा परिणाम वितरित किए गए, बच्चों की खुशी देखते ही बन रही थी। बहुमुखी प्रतिभा के धनी आदित्य वीर, तिश्या, आराध्या, आर्याशि, शिवांग, रक्षित, वेदांश, अविशा, उत्कर्ष, युवराज, खुशी, अजेय, वरदान, आदिति, प्रारब्ध, मानस, अयंतिका, मोक्षिता, धृति, अथर्व सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी रवींद्रनाथ हरि सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में चांदी की ध्वजा अर्पित की हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। 26 मार्च 2026 शहर में आज भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला जब हनुमान ध्वजा प्रभात फेरी समिति की ओर साढ़े तीन किलो की चांदी की ध्वजा चढ़ाई गई। इस विशेष अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आयोजन को भव्य रूप दिया।

ध्वज यात्रा में महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ देखने को मिली। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े और जय श्री राम व जय बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धा और उत्साह का ऐसा संगम लंबे समय तक लोगों को याद रहेगा। यह 15 दिवसीय ध्वज यात्रा 2 अप्रैल 2026 को अपने समापन पर पहुंचेगी।

प्रतिदिन यह यात्रा धर्म संघ मंदिर, दुर्गाकुंड से प्रारंभ होकर संकट मोचन हनुमान मंदिर तक जाती हैं, जिसमें लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। इस अवसर पर दीक्षा श्रीवास्तव कोहिनूर मिसेज इंडिया इंटरनेशनल कौशल जी और दीपक श्रीवास्तव सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

दीक्षा श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। समिति के अनुसार, इस ध्वज यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना और एकता का संदेश फैलाना है।

आयोजन की भव्यता और श्रद्धालुओं की भागीदारी ने इसे शहर की प्रमुख धार्मिक घटनाओं में शामिल कर दिया है।

सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की वारदात, घर का ताला तोड़कर नकदी व गहने ले उड़े चोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना क्षेत्र अंतर्गत एक घर में दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है, जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित मनीष सेठी पुत्र विजय सेठी, निवासी 38/5 मीरापुर, अपने घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर घर का ताला तोड़ दिया। पीड़ित के अनुसार, घटना 23 मार्च 2026 की है, जब वे अपने पिता का इलाज कराने लखनऊ गए हुए थे। 25 मार्च को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। चोर लगभग 10,000 रुपये नकद एवं सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। घटना की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें संदिग्ध गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। पीड़ित ने थाना अतरसुइया में लिखित शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

आईएमएस नोएडा के छात्रों ने हैकाथॉन में जीते प्रथम एवं द्वितीय स्थान

(आधुनिक समाचार सीतापुर) नोएडा। आईएमएस नोएडा के बीसीए के छात्रों ने एक्सक्लूसिव अपनी नवाचार क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं प्रभावशाली समाधान से निर्णायकों को प्रभावित किया।

हैकाथॉन गीक्सफॉरगीक्स क्लासरूम के ऑल इंडिया लेवल ग्रैंड फिनाले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। यह कार्यक्रम नोएडा सेक्टर-63 में आयोजित हुआ, जिसमें दिल्ली-एनसीआर सहित देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से 50 टीम ने हिस्सा लिया। इस हैकाथॉन में प्रतिभागियों को एआई-आधारित फैक्ट-चेकिंग इंजन विकसित करने की चुनौती दी गई, जिसमें क्लेम एक्सट्रैक्शन, रियल-टाइम एविडेंस रिट्रीवल और एक्यूरेसी रिपोर्टिंग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया था। आईएमएस नोएडा के छात्रों ने आईएमएस नोएडा के प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों की यह शानदार उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम, समर्पण, नवाचार क्षमता और उत्कृष्ट तकनीकी कौशल का प्रमाण है। राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिस्पर्धी मंच पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करना अत्यंत गर्व का विषय है। इस प्रकार के हैकाथॉन न केवल छात्रों को वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि उनमें रचनात्मक सोच, टीम वर्क और इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स को भी सुदृढ़ करते हैं। आईएमएस नोएडा के एडवाइजर प्रोफेसर (डॉ.) जेके शर्मा ने कहा कि हम विद्यार्थियों को ऐसा शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं जहां वे अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप में लागू कर सकें एवं वैश्विक स्तर की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकें। हमें विश्वास है कि हमारे छात्र भविष्य में भी इसी प्रकार संस्थान का नाम रोशन करते रहेंगे और देश के तकनीकी एवं नवाचार क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। आईएमएस स्कूल ऑफ आईटी के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि यह उपलब्धि संस्थान की नवाचार एवं उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्रों अपनी इस सफलता के लिए बधाई के पात्र हैं हम सभी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। आईएमएस कोडिंग क्लब के समन्वयक डॉ. ज्योति कुमारी त्रिपाठी ने बताया कि एक्सक्लूसिव हैकाथॉन गीक्सफॉरगीक्स क्लासरूम प्रतियोगिता में टीम 'स्टैक स्प्रिंटर्स' (मुदित त्यागी एवं शुभ) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी के साथ 25000 नकद पुरस्कार जीता। वहीं टीम 'झा हिमांशु' (हिमांशु झा, शिवकांत मिश्रा एवं नितिन प्रकाश) ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी के साथ 15000 की नकद पुरस्कार अपने नाम किया।

यूपी पुलिस सदैव आपकी सेवा में तत्पर

सीतापुर में CEIR पोर्टल के माध्यम से थाना इ0सु0पुर पुलिस द्वारा गुम हुआ 05 अदद मोबाइल फोन किया गया बरामद

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सीतापुर। Department of Telecommunication, Govt. of India Éeje Central Equipment Identity Register (CEIR) पोर्टल को विकसित किया गया है। जिस क्रम में पोर्टल को सफल क्रियान्वयन हेतु Department of Telecom द्वारा पुलिस थानों को उक्त पोर्टल को मोबइल फोन खोने/ चोरी होने सम्बन्धी प्राप्त शिकयतों के निस्तारण हेतु दिया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से थाना स्तर पर ही मोबाइल फोन को खोजने की सुविधा दी गयी है। उक्त निर्देश के क्रम में थाना इ0सु0पुर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत मोबाइल फोन धारकों द्वारा अपना-अपना मोबाइल फोन खो जाने के संबंध में सूचना दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होने पर थाना इ0सु0पुर पुलिस टीम द्वारा CEIR पोर्टल के माध्यम से तकनीकी सहायता एवं सर्विलांस की मदद से फोन को तलाश करने का प्रयास किया। प्रयासों के फलस्वरूप स्थानीय पुलिस टीम द्वारा 05 अदद खोया/गुमशुदा मोबाइल फोन- टेक्नो/सैमसंग/वीवो/लावा को बरामद कर उनके धारकों/मालिकों को क्रमशः-1.जयकरन निवासी कैमहरा थाना इ0सु0पुर सीतापुर 2.मोहम्मद आसीफ निवासी कस्बा थाना इ0सु0पुर सीतापुर 3.तौफीक अहमद निवासी पसनैका थाना इ0सु0पुर सीतापुर 4.जयप्रकाश तिवारी निवासी चांदपुर थाना इ0सु0पुर सीतापुर 5.निर्मल कुमार निवासी सुजावलपुर थाना इ0सु0पुर सीतापुर को सुपुर्द किया गया। स्थानीय पुलिस टीम द्वारा किये गये इस कार्य की मोबाइल स्वामियों द्वारा भूरी भूरी प्रसन्शा की जा रही है। पुलिस टीमः-व0उ0नि0 श्री आशीष तिवारी , का0 सुखवीर सिंह, म0आ0 रेखा।

विश्व हिंदू महासंघ भारत के उत्तर प्रदेश मातृशक्ति प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यालय का भव्य उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सीतापुर) नोएडा। इंदिरापुरम गाजियाबाद विश्व हिंदू महासंघ भारत के उत्तर प्रदेश - मातृशक्ति प्रकोष्ठ के नव स्थापित प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन 26 मार्च 2026 को बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम जयपुरिया मॉल , इंदिरापुरम स्थित कार्यालय में आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर आदरणीय श्रीमती विमला बाथम जी (पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष, महिला आयोग) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यालय का उद्घाटन किया तथा संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए मातृशक्ति की भूमिका को समाज निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती तुलिका शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष एवं श्रीमती प्रीति प्रिया सावन , प्रदेश महामंत्री - मातृशक्ति प्रकोष्ठ, विश्व हिंदू महासंघ भारत (उत्तर प्रदेश) के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं उपस्थित मातृशक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यालय प्रदेश भर में मातृशक्ति को संगठित करने और समाज सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का केंद्र बनेगा। उद्घाटन समारोह में अनेक गणमान्य अतिथि, संगठन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी ने सहभागिता कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम संगठन की एकता, समर्पण और हिंदू समाज के उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बना।

नवनिर्माण के 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी समापन के अवसर पर जनपद स्तरीय जायद उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार सीतापुर) रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र, रतापुर में 09 दिवसीय आयोजित मेले/प्रदर्शनी कार्यक्रम समापन के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा जनपद स्तरीय जायद उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आज जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी द्वारा कृषि विभाग की संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों/कृषकों को पॉवर स्प्रेयर, बीज कीट एवं सोलर पम्प के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कृषकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कृषको को लाभ दिया जा रहा है। किसानों की आय में बढ़ाने के लिए सरकार निरन्तर प्रयासरत है, किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सरकार की बहुत सी योजनाएं संचालित की गई हैं। जनसामान्य उन योजनाओं की जानकारी ले व उसका लाभ उठायें।उप कृषि निदेशक विनोद कुमार ने उपस्थित कृषिकों व लाभार्थियों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि 30प्र0 सरकार के कार्यकाल के 09 वर्ष पूर्ण होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुचाना व समाज के अन्तिम व्यक्ति तक उन योजनाओं का लाभ पहुचाना, जिससे कि कोई भी पात्र लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि आज अंतिम दिवस पर कृषि बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य इरफानुल्लाह खान, भूमि संरक्षण अधिकारी जगदीश यादव, क्षेत्रीय प्रबंधक इफको विनोद कुमार सिंह, कौशल विकास मिशन प्रबंधक वंदना सिंह, वृषि वैज्ञानिक के0के0 सिंह, शिवेंद्र सिंह, संतोष सिंह चौहान, अनुज मौर्य सहित अन्य अधिकारी/लाभार्थी एवं कृषिकगण उपस्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर ने सम्राट अशोक की जयंती मनाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सपा नोएडा महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में नोएडा सेक्टर 121 में सम्राट अशोक की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर सभी नेताओं ने सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि सम्राट अशोक मौर्य साम्राज्य के महान शासक थे। उन्होंने न केवल विशाल भारत पर शासन किया, बल्कि बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश सचिव भारत प्रधान व राकेश यादव ने कहा कि सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद अहिंसा और शांति का मार्ग अपनाया और समाज को सद्भाव, न्याय तथा सहिष्णुता का संदेश दिया। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व मुकेश यादव ने कहा कि सम्राट अशोक मौर्य वंश के तीसरे शासक थे। वे चंद्रगुप्त मौर्य के पौत्र और बिंदुसार के पुत्र थे। उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद ,मुकेश वाल्मीकि वह विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने कहा कि अशोक द्वारा स्थापित 'धम्म' नीति मानवता, करुणा और नैतिक मूल्यों पर आधारित थी, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। साथी साथ इस बैठक में दादरी में 29 मार्च को होने वाले माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी की रैली को सफल बनाने के लिए गहन विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नोएडा महानगर के सभी वरिष्ठ नेता ,पदाधिकारी, प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

थाली में जहर?' मैहर की 'बीकानेर एक्सप्रेस' पर बड़ा आरोप, खाने में कीड़े मिलने का वीडियो वायरल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। शहर में खाने के नाम पर आखिर परोसा क्या जा रहा है? यह सवाल तब खड़ा हो गया जब मैहर की चर्चित दुकान 'बीकानेर एक्सप्रेस' पर गंभीर आरोप लगे हैं कि वहां ग्राहकों को दिए जा रहे खाने में कीड़े तक मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है। वीडियो में साफ तौर पर दावा किया जा रहा है कि एक ग्राहक को परोसे गए खाद्य पदार्थ में कीड़े पाए गए। यह कोई छोटी लापरवाही नहीं, बल्कि सीधे-सीधे लोगों की सेहत से खिलवाड़ है। वीडियो वायरल, लेकिन जिम्मेदार कौन? पीड़ित ग्राहक ने खुद वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। लेकिन सवाल यह है कि- क्या खाद्य विभाग सो रहा है? क्या बिना जांच के ही लोगों को जहर परोसा जा रहा है?'कागजों में साफ-सुथरा, हकीकत में सड़ा खाना?' यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि निरीक्षण सिर्फ कागजों तक सीमित है जमीनी हकीकत में दुकानों में गुणवत्ता की कोई गारंटी नहीं अगर एक नामी दुकान में यह हाल है, तो छोटे ठेलों और दुकानों की स्थिति का अंदाजा खुद लगाया जा सकता है।सीधे सवाल-जवाब कौन देगा? क्या प्रशासन इस वीडियो को गंभीरता से लेगा?क्या दुकान पर सख्त कार्रवाई होगी या मामला ठंडे बस्ते में जाएगा?और सबसे बड़ा सवाल-क्या लोगों की थाली में जहर परोसने वालों पर लगाम लगेगी या नहीं? फिलहाल वीडियो ने पूरे मैहर में हड़कंप मचा दिया है, लेकिन असली परीक्षा अब प्रशासन की है-कार्रवाई होगी या सिर्फ जांच का ढोंग?

ज्ञात हो कि मैहर में शारदीय चैत्र नवरात्रि मेले का आयोजन हो रहा है जिसमें देश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मैहर पहुंच रहे हैं और सबसे बड़ी बात की यह बीकानेर एक्सप्रेस रेलवे स्टेशन के समीप की स्थिति जहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शनार्थी मैहर पहुंचते हैं ऐसे मे एक गंभीर सवाल सेहत को लेकर खडा होता है।

डॉक्टरों ने किया था मृत घोषित, चिता पर जिंदा मिला युवक,सांसें चलती देख परिजनों के होश उड़ गए

भदोही। भदोही से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने न सिर्फ इलाके बल्कि पूरे जनपद को झकझोर कर रख दिया है। यहां डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किया गया एक व्यक्ति चिता पर जिंदा मिल गया। अंतिम संस्कार से ठीक पहले उसकी सांसें चलती देख परिजनों के होश उड़ गए और घाट पर अफरातफरी मच गई। घटना औराई कोतवाली क्षेत्र के खेतलपुर के पास 23 मार्च की है। सायर गांव निवासी 40 वर्षीय अनिल वनवासी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया। परिजन अनिल को वाराणसी के लंका स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान मंगलवार शाम डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।रोते-बिलखते परिजन शव को लेकर गंगा घाट पहुंचे और अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। घाट पर चिता सजाई जा रही थी, लकड़ियां लग चुकी थीं और अंतिम विदाई का माहौल था। तभी अचानक एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने सबको स्तब्ध कर दिया-अनिल के हाथ की उंगली में हल्की हरकत हुई। पहले इसे किसी का भ्रम समझा गया, लेकिन जब ध्यान से देखा गया तो उनके सीने में हलचल महसूस हुई। सांसें चलती देख वहां मौजूद लोग दंग रह गए। मातम का माहौल अचानक हड़कंप में बदल गया। परिजनों ने बिना एक पल गंवाए अनिल को चिता से उठाया और सीधे औराई ट्रामा सेंटर लेकर दौड़े।डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि अनिल जिंदा हैं और गंभीर चोट के चलते गहरी बेहोशी में चले गए थे। फिलहाल उनका इलाज जारी है और हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद परिजनों में भारी आक्रोश है। अनिल की पत्नी मालती ने वाराणसी के निजी अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना पूरी जांच किए ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, पीड़ित की बहन कमला वनवासी का कहना है कि अगर समय रहते हरकत न दिखती, तो उनका भाई जिंदा ही जला दिया जाता।गांव के प्रधान राजीव जायसवाल ने भी इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश,त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था की कड़ी निगरानी करें - मुख्य सचिव

मनरेगा योजना से जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराएं - मुख्य सचिव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था की कड़ी निगरानी करें। सभी एसपी जोनल प्लान तैयार करके 31 मार्च तक प्रस्तुत कर दें। नशीले पदार्थों के विरूद्ध अभियान चलाने के साथ-साथ जन जागरूकता अभियान चलाएं। एनकोर समिति की हर महीने बैठक करके कार्यवाही विवरण पोर्टल पर दर्ज कराएं। सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण कराएं। अविवादित नामांतरण तथा बटवारा के प्रकरण समय सीमा में निराकृत करें। सभी जिले निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व का संग्रहण कराएं। सागर, इंदौर, भोपाल और जबलपुर जिले इस पर विशेष ध्यान दें। स्वामित्व योजना में शेष लंबित प्रकरणों का निराकरण एक माह में कराएं। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है।मुख्य सचिव ने कहा कि मनरेगा योजना से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से कराएं। इसे जल गंगा अभियान में शामिल करके पोर्टल पर प्रगति दर्ज करें। मनरेगा से दो लाख 51 हजार कार्य स्वीकृत हैं। इनमें जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता देने से जल गंगा संवर्धन अभियान अधिक प्रभावी बनेगा। एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक पूरा कराकर इन्हें ग्राम पंचायतों को समारोहपूर्वक हैण्डओवर करें। साथ ही सभी घरों में नल कनेक्शन और पानी की आपूर्ति भी सुनिश्चित कराएं। एकल नलजल योजनाओं के स्रोत तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाएं। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती, खाद के ई टोकन से शत-प्रतिशत वितरण, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर निगरानी के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की प्रदेश में पर्याप्त उपलब्धता है। इस संबंध में आमजनों को लगातार जानकारी दें। बैठक में अधिकारियों को गेहू उपार्जन की तैयारी, स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति, नरवाई प्रबंधन, अग्नि दुर्घटना से बचाव के उपाय, राहवीर योजना तथा प्रधानमंत्री दुर्घटना राहत योजना के संबंध में निर्देश दिए गए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अमेरिका को क्लीन-एनर्जी से पीछे लेकर जा रहे हैं ट्रम्प

क्या आप पूर्व से आ रही उस जोरदार आवाज को सुन सकते हैं? चीन के 1.4 अरब लोग मिलकर हम पर हंस रहे हैं! वे अपनी किस्मत पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि एआई के भारी बिजली-खपत वाले युग में ट्रम्प और उनकी पार्टी ने रणनीतिक आत्महत्या की तैयारी कर ली है।उन्होंने एक बिल पारित किया है, जो लग सकता है, और ट्रम्प के बिल ने बैटरी क्रेडिट में कुछ ऐसे जटिल प्रतिबंध जोड़ दिए हैं, जो प्राप्तकर्ताओं को चीन जैसी 'प्रतिबंधित विदेशी संस्थाओं' से संबंध रखने से रोकते हैं। ये प्रतिबंध इतने जटिल हैं कि क्रेडिट कई परियोजनाओं के लिए अनुपयोगी हो सकते हैं।संक्षेप में, यह बिल- जिसे स्वतंत्र ऊर्जा विशेषज्ञों या यहां तक कि एक

रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की अमेरिका की क्षमता को कमजोर करता है। और क्यों? क्योंकि ट्रम्प उन्हें ऊर्जा के 'लिबरल' स्रोत के रूप में देखते हैं, फिर भले ही आज वे एआई डेटा केंद्रों से आ रही अथाह मांग को पूरा करने के लिए हमारे बिजली ग्रिड को बढ़ावा देने के सबसे तेज और सस्ते तरीके क्यों ना हों। अब तो सऊदी अरब भी पश्चिम से प्राप्त किए जाने वाले एआई डेटा केंद्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा पर दोगुना जोर दे रहा है और ट्रम्प का 'बिग, ब्यूटीफुल बिल' इससे ठीक उलट करने पर आमादा है। यह सौर और पवन ऊर्जा के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के टैक्स क्रेडिट को समाप्त कर देता है। यह वस्तुतः इस बात की गारंटी देता है कि आने वाले समय में चीन सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक कारों-ट्रकों सहित ऑटोनोमस वाहनों का सिरमौर होगा। शुक्र है कि ट्रम्प और उनके दोस्तों ने 2036 तक उन कंपनियों के लिए बाइडेन-युग का टैक्स क्रेडिट सुरक्षित रखा, जो परमाणु रिएक्टर, पनबिजली बांध, जियोथर्मल संयंत्र और बैटरी भंडारण जैसी अन्य उत्सर्जन-मुक्त तकनीकें बनाती हैं। समस्या यह है कि अमेरिका में एक परमाणु संयंत्र बनाने में 10 साल तक का समय भी वैज्ञानिक के साथ कांग्रेस की एक भी सुनवाई के बिना जल्दबाजी में पारित कर दिया गया है- निश्चित रूप से रिन्यूएबल एनर्जी में अरबों डॉलर के निवेश को जोखिम में डाल देगा। यह हजारों अमेरिकी श्रमिकों की नौकरियां भी खत्म कर सकता है। तो, एक झटके में यह बिल आपके एयर-कंडीशनिंग बिल को बढ़ा देगा, आपकी क्लीन एजर्नी की नौकरियों को कम कर देगा और अमेरिका के ऑटो उद्योग को कमजोर करते हुए चीन को खुश कर देगा। अमेरिका में जो एक व्यक्ति इस सबको अच्छी तरह से समझता है, वे इलॉन मस्क हैं। यह दुःखद है कि मस्क- जो निःसंदेह अमेरिका के सबसे महान मैन्युफैक्चरिंग इनोवेटर्स में से एक हैं- ने सरकारी कार्यबल में मनमानी कटौती के कारण मतदाताओं के सामने खुद को बदनाम कर लिया है। इसके चलते बहुत से लोग उस महत्वपूर्ण सत्य को नहीं समझ पाएंगे, जो मस्क अपने साथी अमेरिकियों को चीख-चीखकर बता रहे हैं कि ट्रम्प का बिल पूरी तरह से पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह अतीत के उद्योगों को बढ़ावा देता है और भविष्य के उद्योगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। और यह बात चीन जानता है। दूसरे शब्दों चीन तो आज ऐसा नहीं कर रहा है।बहुत कम अमेरिकी यह समझ पाते हैं कि चीन इस मामले में हमसे कितना आगे जा चुका है और हर दिन और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2000 में चीन ने सिर्फ 1,300 टेरावॉट बिजली का उत्पादन किया था, जबकि अमेरिका ने लगभग 3,800 टेरावॉट का (एक टेरावॉट एक मिलियन मेगावॉट के बराबर होता है)। जबकि आज चीन 10,000 टेरावॉट से ज्यादा बिजली का उत्पादन कर रहा है, जबकि अमेरिका ने 2000 से अब तक अपने आंकड़े में सिर्फ 500 टेरावॉट ही जोड़े हैं। चीन की बिजली वृद्धि का ज्यादातर हिस्सा कोयले से आया था, लेकिन हाल के वर्षों में यह हाइड्रो, सोलर, विंड और बैटरी स्रोतों के विस्तार से प्रेरित हुआ है। चीन दुनिया का पहला 'इलेक्ट्रोस्टेट' बनने की राह पर है, जहां इसकी ऊर्जा का बड़ा हिस्सा बिजली से आ रहा है और अर्थव्यवस्था तेजी से क्लीन टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित हो रही है। मस्क अपने साथी अमेरिकियों को चीख-चीखकर बता रहे हैं कि ट्रम्प का बिल पूरी तरह से पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह अतीत के उद्योगों को बढ़ावा देता है और भविष्य के उद्योगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से)

मध्य पूर्व के संघर्ष में पानी अब हथियार भी है और निशाना भी

मध्य पूर्व में चल रहा तनाव अब केवल सैन्य ठिकानों या ऊर्जा संसाधनों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि एक बेहद महत्वपूर्ण और जीवन देने वाला संसाधन पानी भी इस संघर्ष का हिस्सा बनता जा रहा है। ईरान द्वारा खाड़ी देशों की जल सुविधाओं को निशाना बनाने की चेतावनी ने साफ कर दिया है कि आने वाले समय में पानी न केवल एक हथियार बन सकता

है, बल्कि निशाना भी। खाड़ी क्षेत्र- जैसे सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान- प्राकृतिक रूप से बहुत शुष्क हैं। यहां बारिश बहुत कम होती है और नदियां-झीलें लगभग नहीं के बराबर हैं। ऐसे में इन देशों की सबसे बड़ी जरूरत पूरी करते हैं डिसेलिनेशन प्लांट। डिसेलिनेशन का मतलब है खारे पानी से नमक और अन्य अशुद्धियां हटाकर उसे पीने योग्य बनाना। यह काम मुख्य रूप से दो तरीकों से होता है। पहला है रिवर्स ऑस्मोसिस, जिसमें समुद्री पानी को दबाव के साथ एक खास झिल्ली से गुजारा जाता है, जो नमक को रोक लेती है और साफ पानी को आगे जाने देती है। दूसरा तरीका है पानी को गर्म करके भाप बनाना और फिर उसे ठंडा करके शुद्ध पानी प्राप्त करना। इस तरह ये संयंत्र समुद्र के पानी को मीठे पानी में बदल देते हैं। आज खाड़ी देशों में पानी की स्थिति पूरी तरह कृत्रिम स्रोतों पर निर्भर हो चुकी है। मध्य पूर्व क्षेत्र दुनिया की लगभग 45-50फीसदी डिसेलिनेशन क्षमता रखता है और प्रतिदिन लगभग 60-70 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी समुद्र से बनाता है। अनुमानतः खाड़ी देशों में करोड़ों लोग सीधे डिसेलिनेटेड पानी पर निर्भर हैं। इसके बावजूद क्षेत्र में प्रति व्यक्ति प्राकृतिक जल उपलब्धता बहुत कम है- औसतन 480 घन मीटर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष, जबकि वैश्विक औसत 5500 घन मीटर है। खाड़ी देशों के पास पानी का भंडार बहुत कम होता है- अधिकतर देशों के पास सिर्फ एक हफ्ते का पानी सुरक्षित रहता है। डिसेलिनेशन के पहले यह क्षेत्र दुनिया के सबसे अधिक जल-संकट वाले क्षेत्रों में था। यहां 15 से अधिक देश अत्यधिक जल तनाव (80फीसदी से अधिक उपयोग) झेल रहे हैं। डिसेलिनेशन प्लांट्स बनने से पहले खाड़ी क्षेत्र में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता अत्यंत कम थी और जीवन मुख्यतः सीमित भूजल स्रोतों पर निर्भर था। कई क्षेत्रों में पानी इतना कम था कि बड़े शहरों का विकास संभव ही नहीं था। डिसेलिनेशन ने इस क्षेत्र को बसाने और विकसित करने में निर्णायक भूमिका निभाई। डिसेलिनेशन प्लांट्स समुद्र किनारे होते हैं और ईरान के काफी पास हैं, इसलिए इन्हें निशाना बनाना आसान है। यदि इन प्लांट्स पर बड़े स्तर पर हमला होता है, तो पूरी शहरी आबादी प्रभावित हो सकती है और

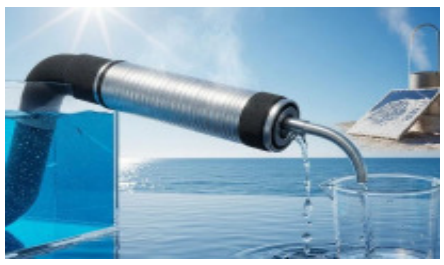

इसका असर केवल किसी एक शहर तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों की लगभग पूरी शहरी आबादी- करीब 10 करोड़ लोग- इससे सीधे प्रभावित होंगे। कुछ ही दिनों में पानी की कमी एक मानवीय संकट का रूप ले सकती है। पीने के पानी की कमी, उद्योग और फैक्ट्रियां बंद होना, बिजली उत्पादन पर असर, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं में दिक्कत, यानी बिना सीधे लोगों पर हमला किए भी पूरे समाज को प्रभावित किया जा सकता है। डिसेलिनेशन प्लांट्स पर हमला अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा असर डालेगा। खाड़ी की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ऊर्जा ₹ उद्योग ₹ शहरीकरण पर आधारित है और डिसेलिनेशन और ऊर्जा क्षेत्र आपस में जुड़े हैं। सऊदी अरब अगले वर्षों में 80 अरब डॉलर तक का निवेश करने जा रहा है, लेकिन अगर पानी बंद हुआ तो अरबों डॉलर का निवेश और उत्पादन खतरे में पड़ने से क्षेत्रीय ही नहीं, वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। हाल में जब अमेरिका द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले की बात सामने आई, तो ईरान ने जवाब में खाड़ी देशों की जल सुविधाओं को नुकसान पहुंचाने की चेतावनी दी। संघर्ष के दौरान ऐसे संयंत्रों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं सामने भी आई हैं। इससे साफ है कि पानी अब युद्ध की रणनीति का हिस्सा बन रहा है। दुनिया मिलकर तय करे कि पानी को युद्ध से दूर रखा जाए- क्योंकि अगर पानी पर संकट आया, तो जीवन भी संकट में पड़ जाएगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं-सुधीद्र मोहन शर्मा)

भाषा पर राजनीति करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला

(राजदीप सरदेसाई)'इस देश में अंग्रेजी बोलने वाले जल्द ही शर्म महसूस करेंगे।' -केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह'मराठी बोलने वालों पर हिंदी थोपने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' -मनसे नेता राज ठाकरे'हिंदी के कट्टर समर्थक संकीर्ण मानसिकता वाले और राष्ट्रविरोधी हैं, जो हमारे विरोध को देशद्रोह मानते हैं।' -तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिनराष्ट्रीय सुर्खियों में लैंग्वेज-वॉर की धमाकेदार वापसी हो चुकी है! अलबत्ता भाषाई कट्टरता लंबे समय से राजनीतिक हथियार रही है, लेकिन हाल के दिनों में यह फिर सामने आई है, ताकि असल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। अमित शाह से शुरुआत करते हैं। अंग्रेजी के प्रति शाह की नाराजगी की जड़ में संघ परिवार की हिंदी-हिंदू-हिंदुस्तान वाली विचारधारा है। इसमें माना जाता है कि औपनिवे?शिक भाषा होने के नाते अंग्रेजी भारतीय संस्कृति के विरुद्ध है। लेकिन शाह ने अहमदाबाद के सेंट जेवियर्स कॉलेज में बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई की है, जो अंग्रेजी के प्रतिष्ठित संस्थान के तौर पर मशहूर है। उनके पुत्र जय शाह भी अहमदाबाद के लोयोला हॉल में पढ़े, जो नामीगिरामी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में से एक है। और इसके बावजूद शाह ने अंग्रेजी के प्रति तिरस्कार की भावना को कभी छुपाया नहीं है।शाह की ही तरह, ठाकरे बंधुओं ने भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजा। उन्होंने हिंदी में बातचीत करना और साक्षात्कार देना भी नहीं छोड़ा है। फिर भी उनकी राजनीति 'मराठी प्रथम' के इर्द-गिर्द घूमती रहती है ताकि सियासत के भीड़भाड़ भरे बाजार में उनकी अलग पहचान बनी रहे। यदि शाह का हिंदी-केंद्रित नजरिया नेहरूवादी कांग्रेस के खिलाफ भाजपा को राष्ट्रवादी ताकत बनाए रखने के? लिए है तो भाषा के मुद्दे पर ठाकरे बंधुओं की सियासत शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के मूल 'धरतीपुत्र' आंदोलन को फिर से खड़ा करने का प्रयास है। लेकिन यह जान लीजिए कि भले ही बाल ठाकरे गैर-मराठीभाषियों के विरुद्ध बोलते रहे हों, लेकिन उन्होंने अपनी पहली मराठी अंग्रेजी की एक अखबार में कार्टूनिस्ट के तौर पर की थी। लेकिन आज जब शिवसेना के सामने अस्तित्व का संकट आ खड़ा हुआ है तो ठाकरे बंधु भाषाई अस्मिता के नाम पर प्रासंगिक बने रहने के जतन कर रहे हैं।एमके स्टालिन भी तमिलनाडु के लोगों पर हिंदी थोपने का जो मुद्दा उठा रहे हैं, वह राज्य में होने जा रहे चुनावों से पहले का एक चिर-परिचित सियासी औजार है। दरअसल, 1960 के दशक में द्रविड़ दलों का उदय ही हिंदी विरोधी आंदोलनों के तहत हुआ था। आज छह दशक बाद जब स्टालिन नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को तमिल बोलने वालों पर हिंदी थोपने का प्रयास बता रहे हैं तो इसके जरिए वे उत्तर-दक्षिण की जंग को फिर से सुलगाकर क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति के अगुआ के तौर पर खुद की छवि मजबूत करना चाहते हैं। लेकिन जहां वे 'तमिल प्रथम' का युद्धघोष कर रहे होते हैं, वहीं यह भी एक तथ्य है कि डीएमके चीफ के परिवार के बच्चे पढ़ने के? लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में जा रहे हैं। याद रहे कि चेन्नई में अधिकतर निजी स्कूल ऐसे त्रिभाषा पाठ्यक्रम के लिए तैयार हैं,

जिसमें हिंदी वैकल्पिक भाषा है।मुद्दा यह है कि समाजवादी-लोहियावादियों से लेकर हिंदुत्ववादी और क्षेत्रीय क्षत्रपों तक सभी राजनेता भले ही अंग्रेजी के खिलाफ जोर लगा लें, लेकिन ये सभी अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में ही भेजना पसंद करते हैं। कम से कम आधा दर्जन कैबिनेट मंत्रियों के बच्चे तो आज प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। अंग्रेजी अब औपनिवेशिक भाषा नहीं रही,

बल्कि आशाओं और महत्वाकांक्षाओं की भाषा बन गई है। आप देश में कहीं भी जाइए, आपको तेजी से बढ़ रहीं अंग्रेजी कोचिंग कक्षाएं दिखेंगी। ये सभी नए भारत के सामाजिक स्तर को एक पायदान ऊपर उठने का मौका दे रही हैं। अंग्रेजी बोलने में शर्माने के बजाय युवा भारतीय इसमें महारत हासिल करना चाह रहे हैं। लेकिन देश के कई हिस्सों में अंग्रेजी शिक्षण की गुणवत्ता को वांछित स्तर तक लाने के ?लिए अभी बहुत प्रयास करने होंगे। यही कारण है कि गुजरात जैसे राज्य सेवा-क्षेत्र के मामले में पिछड़ गए हैं।

घोषणा-पत्र में किए गए वादे पूरे क्यों नहीं किए जाते हैं?

(डेरेक ओ ब्रायन) लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा ने 69 पृष्ठों का घोषणा-पत्र प्रकाशित किया था। आइए, उस घोषणा-पत्र में किए गए कुछ वादों को देखें और यह पता करने की कोशिश करें कि आज उनकी दशा क्या है। 1. वादा : गरीब की थाली को सुरक्षित रखने के हमारे प्रयासों को विस्तार देना (पृष्ठ 11)। वास्तविकता : विश्व बैंक के अनुसार, आज 7.5 करोड़ भारतीय प्रतिदिन 225 रुपए से भी कम कमाते हैं। सबसे गरीब 5फीसदी लोग प्रतिदिन 68 रुपए खर्च करते हैं। जबकि एक शाकाहारी थाली की कीमत ही 77 रुपए है। 2. वादा : उच्च मूल्य वाली नौकरियां सृजित करना (पृष्ठ 14)। वास्तविकता : 46फीसदी कार्यबल कृषि में लगा है। हर पांच में से तीन स्वरोजगार कर रहे हैं, जो रोजगार का सबसे अच्छा तरीका नहीं है। 3. वादा : कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी (पेज 15)। वास्तविकता : 2018-23 के बीच, रोजगार-संबंधी गतिविधियों में लगी महिलाओं का अनुपात सिर्फ 2.3₹ अंक बढ़ा। रोजगार-संबंधी गतिविधियों पर बिताया समय पांच वर्षों में सिर्फ 10 मिनट बढ़ा। महिलाओं के लिए श्रम बल भागीदारी दर पुरुषों की तुलना में आधी बनी हुई है। 4. वादा : महिला आरक्षण विधेयक लागू करना (पेज 16)। वास्तविकता : विधेयक 2023 में पारित हुआ। इसे जनगणना से जोड़ा गया, जो 2027 में पूर्ण होगी। जनगणना के बाद परिसीमन होंगे। इन दोनों के बाद ही विधेयक वास्तव में लागू हो सकता है। कब? 5. वादा : पीएम किसान योजना को मजबूत करना (पेज 22)। वास्तविकता : हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। 2018-23 के बीच, ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी में सालाना 0.4₹ की गिरावट आई, जबकि कृषि मजदूरी में सालाना सिर्फ 0.2फीसदी की वृद्धि देखी गई। धनराशि बढ़ाने के संसदीय समिति के सुझाव को नजरअंदाज कर दिया गया। 6. वादा : ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब (पृष्ठ 42)। वास्तविकता : मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान 2023 में जीडीपी के 12.3फीसदी से घटकर 2024 में 4.5फीसदी हो गया, जो 2014 से भी नीचे है। पिछले दो वर्षों में, दस में से केवल एक व्यक्ति मैन्युफैक्चरिंग में कार्यरत है। 2015 और 2024 के बीच, मैन्युफैक्चरिंग एमएसएमई की संख्या में 2फीसदी से थोड़ी अधिक ही वृद्धि हुई। 7. वादा : ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का विस्तार (पृष्ठ 45)। वास्तविकता : चार वर्षों में, इस कवच को केवल 2फीसदी मार्गों और 1फीसदी से भी कम इंजनों में स्थापित किया जा सका है। इसकी प्रगति की वर्तमान दर को देखते हुए भारतीय रेलवे नेटवर्क में इसके क्रियान्वयन में कुछ दशक लग सकते हैं। 8. वादा : बुलेट ट्रेनों का विस्तार (पृष्ठ 46)। वास्तविकता : 2014 के रेल बजट में 60,000 करोड़ रुपए के अनुमानित व्यय के साथ बुलेट ट्रेन परियोजना की घोषणा की थी। आज 11 साल बाद 71,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने के बावजूद परियोजना का आधा से भी कम काम पूरा हो पाया है। 9. वादा : एक्सप्रेस-वे और रिंग रोड का विस्तार (पेज 47)। वास्तविकता : 2017 में सरकार ने भारतमाला परियोजना के तहत 34,800 किलोमीटर की परियोजनाओं की मंजूरी दी थी। हालांकि, इनमें से केवल आधा ही काम पूरा हो पाया है। परियोजना का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा तो अभी तक आवंटित भी नहीं किया जा सका है। 10. वादा : भ्रष्टाचार से निपटना (पेज 54)। वास्तविकता : पिछले एक दशक में ईडी द्वारा सांसदों, विधायकों और नेताओं के खिलाफ 193 मामलों में से केवल दो में ही दोषसिद्धि हुई है। पिछले 11 वर्षों में ईडी द्वारा कुल 5297 मामले दर्ज किए गए। केवल 47 मामलों को ही सुनवाई के लिए अदालत में ले जाया गया। दर्ज किए गए प्रत्येक 1000 मामलों में से केवल सात मामलों में ही आरोपी दोषी पाए गए।

11. वादा : एम्स को मजबूत बनाना (पेज 57)। वास्तविकता : पूरे भारत में एम्स अस्पतालों में 18,737 पद खाली पड़े हैं। इनमें से 2200 से अधिक पद फैकल्टी से संबंधित हैं। 12. वादा : युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण का विस्तार (पृष्ठ 60)। वास्तविकता : भारत में तीन में से एक युवा न तो शिक्षा, न ही रोजगार, न ही प्रशिक्षण में है, और इनमें 95फीसदी महिलाएं हैं। केवल 4फीसदी युवाओं को औपचारिक कौशल प्रशिक्षण मिला है। आज 7.5 करोड़ भारतीय प्रतिदिन 225 रुपए से भी कम कमाते हैं। सबसे गरीब 5फीसदी लोग प्रतिदिन 68 रुपए खर्च करते हैं। जबकि एक शाकाहारी थाली की कीमत ही 77 रुपए है। गरीब की थाली वाले वादे का क्या हुआ? (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेखक के सहायक शोधकर्ता धीमंत जैन हैं।)

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है।

हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है। वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है। पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए। वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है। जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं। थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है। फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं। पॉपकॉर्न बकेट, ड्रिंक सिपर्स, टीशर्ट जैसी ये नई चीजें ना सिर्फ लाखों की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि सिने प्रेमी अपने आनंद के लिए थिएटरों में आ रहे हैं और ऐसी कुछ चीजें लेकर वापस जा रहे हैं। ऐसे समय में जब बॉक्स ऑफिस बिक्री प्री-कोविड स्तर पर नहीं पहुंची है तो बड़ा मुनाफा देने वाली प्लास्टिक पॉपकॉर्न बकेट ही संभवतः थिएटरों के लिए बीते वर्षों में आई सबसे अच्छी खबर है। ये भी रोचक है कि ऐसे प्लास्टिक कंटेनर इकट्ठे करने की दीवानगी आने वाले कई वर्षों तक बनी रहने वाली है। यदि ऐसा नहीं तो आप बताइए कि 2027 की शुरुआत में रिलीज होने वाली 'सोनिक द हेजहॉग 4' और 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग सुपरनोवा' के लिए डिजायनर अभी से पॉपकॉर्न बकेट का प्रोटोटाइप तैयार करने में क्यों जुटे हैं? फंडा यह है कि यदि आपके पास मार्केटिंग की सही तकनीक है और आप उत्पाद खरीदने वाले विभिन्न आयु वर्ग के ग्राहकों की नब्ज समझ रहे हैं तो आप कुछ भी चीज, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं। बाहरी दुनिया पैसा खर्च करने के लिए तैयार है।

एक गलत इरादा समूचे उद्योग को बदनाम करता है

एन. रघुरामन कल्पना करें, आपके रिश्तेदार अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर के दवा पर्ची लिखने के बाद आप अस्पताल के मेडिकल से दवा लेने में व्यस्त हैं। सारे बिल संभालकर रख रहे हैं, क्योंकि बाद में बीमा लाभ का दावा करना चाहते हैं। अस्पताल में हुए ब्लड टेस्ट का भी बिल रखा। डॉक्टर्स ने आपकी लाई दवाएं दी और रिश्तेदार जल्द स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो गए। राहत की सांस लेकर आप घर लौट आए और अस्पताल खर्च की 15 हजार रु. से कम राशि के रिफंड के लिए आवेदन की तैयारी करने लगे। आपको भरोसा है कि बीमा कंपनी से इन बिलों को मंजूरी मिल जाएगी, क्योंकि बीमा खरीदने से लेकर अब तक आपने कोई क्लेम नहीं उठाया और दावे की राशि से साढ़े चार गुना रकम का भुगतान प्रीमियम के तौर पर कर चुके हैं। पर आप हैरत में रह गए जब कंपनी ने ना सिर्फ अस्पताल खर्च का दावा खारिज कर दिया, बल्कि प्रक्रियागत दोष-संदिग्ध धोखाधड़ी का हवाला देते हुए आपकी पॉलिसी भी रद्द कर दी। इतना ही नहीं, आपका नाम फ्रॉड अलर्ट डेटाबेस में भी दिखने लगा, जिसका मतलब है कि भविष्य में कोई बीमा कंपनी आपका बीमा नहीं करेगी और यदि किया तो आपके हर दावे को धोखाधड़ी के नजरिए से देखा जाएगा। हैरान हैं कि आखिरकार धोखाधड़ी कहां की? इसे समझने के लिए बेंगलुरु के 29 वर्षीय वीरेश राठौड़ की कहानी पढ़िए, जिन्होंने स्वयं के और बुजुर्ग माता-पिता के लिए 2022 में एक बीमा कंपनी से समूह बीमा पॉलिसी खरीदी। तीन वर्षों में उन्होंने कंपनी को 67 हजार 606 रु. का भुगतान किया और तब से अब तक कोई क्लेम भी नहीं लिया। अप्रैल, 2024 में उनकी मां को गंभीर गैस्ट्रोएन्टेराइटिस के उपचार के लिए स्थानीय शरभथी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मां को अस्पताल से डिस्चार्ज कराने के बाद राठौड़ ने 14 हजार 500 रुपए का पुनर्भुगतान दावा पेश किया, जो खारिज हो गया और निम्न कारण बताते हुए उनकी पॉलिसी भी रद्द कर दी गई। 1. कंपनी ने आरोप लगाया कि बिना किसी कल्चर सेंसिटिविटी टेस्ट के ब्लड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक दवा (पिपटाज) दी गई। 2. राठौड़ ने कथित तौर पर 5 डोज खरीदे, जबकि तीन ही उपयोग में आए। 3. डिस्चार्ज विवरण पर चिकित्सक के प्रमाणीकरण का अभाव है। 4. ब्लड रिपोर्ट्स पर टेक्निशियन के साइन थे, पैथोलॉजिस्ट के नहीं।

राहुल बोले- हॉस्पिटल में पूरी रात सोफे पर सोया,मां की सेहत को लेकर परेशान था,सोनिया दो दिन से अस्पताल में भर्ती

नयी दिल्ली। कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी पिछले दो दिनों से दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में एडमिट हैं।

सोनिया को पेट और यूरिनरी इंफेक्शन के चलते मंगलवार रात 10:22 बजे भर्ती कराया गया था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मां की देखभाल के लिए अस्पताल में ही रहे। उन्होंने कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट में कहा कि, वे हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहे थे। वे भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर बहुत परेशान थे। हालांकि केरल की नर्स ने उनकी मां का बहुत ख्याल रखा। जिससे उन्हें राहत मिली। दरअसल राहुल गांधी सोनिया की खराब तबीयत के चलते बुधवार को संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं हुए। वहीं केरल में उनका दौरा भी रद्द कर दिया गया था। उनकी जगह मल्लिकार्जुन खड़गे गए। राहुल ने सभा को वर्चुअली संबोधित किया। अब पढ़िए राहुल का पूरा वीडियो मैसेज-'कल रात, मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। जैसे कि कोई भी बेटा अपनी मां की सेहत को लेकर परेशान रहता है, मैं भी परेशान था। पूरी रात, मुझे सिर्फ एक चीज से सुकून मिला। मुझे केरल की एक नर्स से सुकून मिला जो हर घंटे मेरी मां को देखने आती थी। हर एक घंटे, वह आकर उन्हें देखती थी। वह मुस्कुराती थी और उनका हाथ पकड़ती थी। मैंने सोचा कि केरल की नर्सों ने कितने बेटों, बेटियों, भाइयों और बहनों को उनके सबसे मुश्किल पलों में सुकून दिया है। सुबह-सुबह, मैंने उनसे पूछा, क्या आप रात में सोती हैं, या पूरी रात काम करती हैं? उन्होंने कहा, मैं पूरी रात काम करती हूं। तो, जब पूरी दुनिया सो रही है, केरल की औरतें, सिर्फ केरल में ही नहीं बल्कि दिल्ली में, पूरे देश में और दुनियाभर में लोगों को सुकून दे रही हैं। उनका हाथ थाम रही हैं, और उन्हें आराम महसूस करा रही हैं।

मोदी जी ने नेशनल लेवल पर 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया था। केरल के मुख्यमंत्री ने राज्य में 40 लाख नौकरियों का वादा किया था। 10 साल बीत गए उन्होंने लोगों को एक भी नौकरी नहीं दी है। असल में, उन्होंने नौकरियां खत्म कर दी हैं। न तो बीजेपी और न ही एलडीएफ को लगता है कि वे लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें नहीं लगता कि केरल के लोगों को उनसे सवाल पूछने का हक है। देशभर में विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां कार्रवाई करती हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने इसे मिलीभगत का सबसे बड़ा सबूत बताया। महिलाओं के लिए फ्री केएसआरटीसी बस यात्रा और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के लिए फाइनेंशियल मदद के तौर पर हर महीने 1000 रुपए दिए जाएंगे। वेलफेयर पेंशन को बढ़ाकर 3000 रुपए किया जाएगा। हर परिवार के लिए 25 लाख रुपए के कवरेज के साथ ओमन चांडी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम, युवाओं के लिए पांच लाख तक का बिना ब्याज वाला लोन और सीनियर सिटिजन के लिए एक स्पेशल डिपार्टमेंट बनाया जाएगा।

आंध्र प्रदेश-डंपर से टकराकर बस में आग, 13 जिंदा जले

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में

टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में आफिशियल कंफर्मेशन दिया। अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। मरकापुरम के एसपी वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, डंपर ड्राइवर समेत 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की

पिकअप ट्रेलर में टक्कर, 8 की मौत,मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे,प्रयागराज से मुंडन कराकर लौट रहे थे

प्रयागराज। कौशांबी में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। 29 लोग घायल हैं।

इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। 27 घायलों का इलाज जिला अस्पताल और

सीएचसी में चल रहा है। सभी लोग प्रयागराज से मुंडन कराकर अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप से उछलकर लोग सड़क पर गिर गए। सड़क पर पड़े घायल तड़पते रहे। आसपास के लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया, साथ ही पुलिस को सूचना दी। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नेशनल हाईवे पर डोरमा के पास हुआ। सीएम योगी ने कौशांबी में हुए हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के घरवालों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों को एक-एक लाख रुपए दिए जाएंगे।

फतेहपुर जिले के जहानाबाद-बिंदकी क्षेत्र के रहने वाले करीब 37 लोग पिकअप से कौशांबी के कड़ा धाम स्थित मां शीतला का दर्शन करने आए थे। इससे पहले इन लोगों ने प्रयागराज में बच्चे का मुंडन कराया था। डोरमा पेट्रोल पंप के पास सड़क के किनारे एक ट्राला खड़ा था। इसी बीच तेज रफ्तार पिकअप बेकाबू होकर ट्राले में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। पिकअप में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सड़क पर घायलों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल भेजने के लिए 4 एम्बुलेंस लगाई गईं। घायलों को अस्पताल ले जाते समय 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज जारी है। हादसे के कारण कुछ देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। सीएमओ संजय कुमार ने बताया कि सैनी थाना के पास अजुवा मोड़ पर हादसा हुआ। जैसे ही हमें इसकी सूचना मिली, मैंने तुरंत 108 एम्बुलेंस के मैनेजर को फोन किया। इसके बाद 7-8 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं।

हमारे सिराथू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुल 37 मरीज लाए गए।8 घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया 8 एम्बुलेंस से गंभीर घायल मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। सिराथू सीएचसी में अभी 14 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि जिला अस्पताल में 13 लोग भर्ती हैं। 2 लोगों की हालत गंभीर थी, जिन्हें प्रयागराज के लिए रेफर किया गया है। 4 मरने वालों की शिनाख्त हो गई है। इनके नाम लक्ष्मी देवी, विजय कली, वर्षा (14) पुत्री राम नारायण, गुड़िया देवी (25) हैं। ये सभी थाना जाफरगंज क्षेत्र के कोरवल के रहने वाले थे।

बांग्लादेश में बस नदी में गिरी, 23 की मौत,11 लोगों ने तैरकर जान बचाई,बस को बड़ी नाव पर चढ़ाते समय हुआ हादसा

ढाका। बांग्लादेश में एक यात्री बस पद्मा नदी में गिर गई। हादसे में अब तक 23 लोगों की मौत हो

गई है। 11 यात्रियों ने तैरकर अपनी जान बचा ली। बस में करीब 40 लोग सवार थे। हादसा बुधवार शाम को हुआ। तब सिर्फ 2 लोगों की मौत की खबर आई थी। हादसा राजबाड़ी जिले में दाउलादिया टर्मिनल पर हुआ। बस फेरी (बड़ी नाव) पर चढ़ रही थी। इसी दौरान ड्राइवर का कंट्रोल छूट गया और बस सीधे नदी में जा गिरी। बांग्लादेश में बसों और गाड़ियों को नदी पार कराने के लिए फेरी का इस्तेमाल होता है। यह एक बड़ी नाव या जहाज जैसा होता है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली और जांच के आदेश दिए। रेस्क्यू टीम ने 'हमजा' नाम के जहाज की मदद से करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद आधी रात को बस को बाहर निकाला। इसमें 21 शव मिले, जबकि गोताखोरों ने पहले ही दो महिलाओं के शव बरामद कर लिए थे। फायर सर्विस और कोस्टगार्ड के गोताखोर सेना और पुलिस की मदद से लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं।अधिकारियों ने बताया कि बस ढाका जा रही थी। इसमें सवार कई यात्री ईद की छुट्टियां खत्म कर राजधानी लौट रहे थे, जिनमें बच्चे भी शामिल थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में सवार कई लोग एक ही परिवार के थे। कुछ लोग बाहर खड़े होने की वजह से बच गए, जबकि उनके परिजन बस के अंदर फंसे रह गए।

केरल सीएम बोले- राहुल में कार्यकर्ता जितनी भी समझ नहीं,हिमंता ने कहा- कांग्रेस की सरकार पाकिस्तान में बनेगी, थरूर बोले- केरल बदलाव चाहता है

नयी दिल्ली। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने गुरुवार को

कहा- राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस देश में बीजेपी की 'बी-टीम' हैं।कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पिनराई के बी टीम वाले बयान को बकवास बताया। थरूर ने कहा- हमें किसी की बी टीम में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि हम केरल की ए-टीम हैं। बीजेपी और एलडीएफ दोनों नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आए। केरल के लोग बदलाव चाहते हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार भारत में तो नहीं, पाकिस्तान में बन सकती है। 5 राज्यों से जुड़े 4 बड़े अपडेट्स- भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर में रामनवमी पर रैली निकाली। थरूर बोले- केरल में बीजेपी एक जीरो-सीट पार्टी है। असली मुकाबला युडीएफ और एलडीएफ के बीच है। हिमंता ने कहा- जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह या तो पाकिस्तान में होगी या बांग्लादेश में। तृणमूल उम्मीदवार प्रतिभा मैती ने सरकार की दी हुई 'सबुज साथी' साइकिल पर अपना कैंपेन शुरू किया।केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने कहा- चुनाव आयोग एक निष्पक्ष संस्था है। अगर किसी के पास चुनाव आयोग के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं तो वो कोर्ट जाएं। इस बार टीएमसी हारेगी और दो तिहाई बहुमत के साथ पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।केरल चुनाव पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा-मेरा फोकस केरल राज्य चुनाव पर है। असम, बंगाल, तमिलनाडु में मेरे साथी सभी कैंपेन कर रहे हैं। केरल में लोग बदलाव चाहते हैं। भाजपा राज्य में कोई अप्रासंगिक कारक नहीं है।असली लड़ाई युडीएफ और एलडीएफ के बीच है इसलिए बीजेपी को वोट देना बेकार वोट है। युडीएफ को वोट दें।

जिला जज व डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला जज अमित

पाल सिंह, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जिला कारागार रायबरेली का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कैदियों की समस्याओं को सुना। सभी बैरकों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कारागार के पाकशाला में बन्दियों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई,पेयजल,प्रकाश व्यवस्था आदि का भी अवलोकन किया गया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुवे कहा कि व्यवस्थाओं को नियमानुसार दुरूस्त रखने के साथ ही बंदी गृह में रह रहे मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी व्यवस्थाओं को जेल मैनुअल के अनुरूप ही सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर सी0जी0एम0 पवन कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमोद कंठ, जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला सहित संबंधित कार्मिकगण उपस्थित रहें।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर झड़प, 3 की मौत,ईद पर 5 दिन का सीजफायर खत्म होने के बाद हिंसा शुरू

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर बुधवार को फिर से लड़ाई शुरू हो गई। अफगान तालिबान अधिकारियों के मुताबिक, इस

हमले में 2 आम नागरिकों की मौत हो गई और 8 घायल हो गए। वहीं पाकिस्तान का भी एक नागरिक मारा गया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने मिलकर ईद को लेकर 5 दिनों का अस्थायी युद्धविराम घोषित किया था। 25 मार्च को सीजफायर खत्म होने के बाद दोनों देशों में फिर से झड़प शुरू हो गई। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक एक अफगान अधिकारी ने बताया कि युद्धविराम खत्म होते ही पाकिस्तानी सेना ने नरई और सरकानो इलाकों में दर्जनों तोप के गोले दागे।उन्होंने कहा कि जवाब में अफगान सीमा बलों ने भी गोलीबारी की और तीन पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को तबाह कर दिया, इस हमले में 1 व्यक्ति मारा गया।यह हिंसा उस समझौते के करीब एक हफ्ते बाद हुई है, जिसमें दोनों देशों ने लड़ाई रोकने पर सहमति जताई थी। यह समझौता सऊदी अरब, तुर्किये और कतर के कहने पर हुआ था। इससे पहले पाकिस्तान ने 17 मार्च की रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए थे।अफगान तालिबान सरकार का दावा है कि इन हमलों में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। हालांकि पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है और कहा है कि उसने एक गोला-बारूद के भंडार पर हमला किया था। मीडिया और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में नशा मुक्ति केंद्र पर हमले की बात सामने आई, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने किसी नागरिक के मारे जाने की बात स्वीकार नहीं की। इसके बजाय पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने आरोप लगाया कि तालिबान नशे के आदी लोगों को आत्मघाती हमलों के लिए इस्तेमाल करता है। हालांकि उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।इधर, पाकिस्तान तालिबान यानी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने भी कहा है कि उसने ईद के 3 दिन के अपने युद्धविराम के बाद पाकिस्तान के अंदर हमले फिर से शुरू कर दिए हैं। टीटीपी, अफगान तालिबान से अलग है लेकिन उसके साथ जुड़ा हुआ है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तान में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने टीटीपी को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। पाकिस्तान का आरोप है कि काबुल टीटीपी के नेताओं और हजारों लड़ाकों को पनाह दे रहा है, जो सीमा पार से हमले करते हैं। हालांकि अफगानिस्तान इस आरोप को खारिज करता है। पाकिस्तान ने साफ कहा है कि जब तक अफगान तालिबान सरकार यह भरोसा नहीं देती कि उसकी जमीन का इस्तेमाल आतंकी हमलों के लिए नहीं होगा, तब तक वह टीटीपी और उसके समर्थकों को अफगानिस्तान के अंदर निशाना बनाता रहेगा। पाक का भारत पर आतंक फैलाने का आरोप- पाकिस्तान का कहना है कि यह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई है। उसके मुताबिक देश में आतंकी हमले बढ़े हैं और 2025 पिछले एक दशक का सबसे हिंसक साल रहा। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि तालिबान अपने यहां ऐसे समूहों को पनाह देता है, जो पाकिस्तान में हमले करते हैं, और भारत पर भी ऐसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाता है। भारत और तालिबान दोनों ही इन आरोपों से इनकार करते हैं और कहते हैं कि पाकिस्तान में होने वाले हमले उसका आंतरिक मामला हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान में गुस्सा बढ़ता गया है। अक्सर किसी हमले के तुरंत बाद पाकिस्तान के मंत्री इसका

ठीकरा अफगानिस्तान पर फोड़ देते हैं, जिस पर तालिबान कड़ा जवाब देता है। अब पाकिस्तान का कहना है कि बातचीत के लिए कुछ बचा नहीं है। वहीं पाकिस्तान, अमेरिका जैसे देशों के साथ मिलकर अफगानिस्तान को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है।पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पाकिस्तान को 'सही समय पर कड़ा जवाब' दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया था। पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है। पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों? 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने हार के बाद दिया इस्तीफा,पर्यावरण की चिंता के चलते छोड़ दिया था मेकअप, ट्रम्प को भी चुनौती दे चुकीं

कोपेनहेगन। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन (48) ने आम चुनाव में हार के बाद इस्तीफा

दे दिया है। बुधवार को मतगणना में उनकी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी को महज 38 सीटें मिलीं। हालांकि, अभी वहां किसी भी पार्टी को बहुमत हासिल नहीं हुआ है। मेटे जून 2019 से डेनमार्क की प्रधानमंत्री थीं और 2022 में दोबारा सत्ता में लौटी थीं।वे 41 की उम्र में पद संभालने वाली देश की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री बनी थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से ग्रीनलैंड के मुद्दे पर बेबाकी से लेकर सादगी तक के उनके कई किस्से हैं।मेटे बचपन से ही शांत और संकोची रहीं। बोलने में हकलाहट के कारण स्कूल में बच्चे उनका मजाक उड़ाते थे।

उन्हें लंबे समय तक स्पीच थेरेपी लेनी पड़ी। वे 90 के दशक में पर्यावरण और पशु अधिकारों को लेकर वे बेहद आक्रामक रहीं। कॉस्मेटिक कंपनियों द्वारा जानवरों पर परीक्षण के विरोध में उन्होंने मेकअप प्रोडक्ट इस्तेमाल करना ही छोड़ दिया। उनका मानना था कि जानवरों को दर्द देकर सुंदरता पाना गलत है। इसी दौर में उन्होंने 'जेंस' नाम की एक व्हेल को प्रतीकात्मक रूप से गोद लिया और अपनी पॉकेट मनी से समुद्री संरक्षण संस्था को राशि देकर उसकी सुरक्षा, ट्रैकिंग और प्राकृतिक आवास बचाने में सहयोग किया। 2012 में रोजगार मंत्री रहते हुए मेटे साधारण कपड़ों और फ्लैट जूतों में बच्चों को साइकिल से स्कूल छोड़ने जाती थीं। तब जनता में उनकी सादगी के खूब चर्चे होते थे। मेटे अपनी बेबाक जवाब के लिए मशहूर हैं। जनवरी 2026 में ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की जिद पकड़ ली। जवाब में झुकने के बजाय मेटे ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा के लिए डेनिश कमांडो और सैनिक तैनात कर दिए। उन्होंने दो टूक कहा, 'डेनमार्क बिकाऊ नहीं है। अगर अमेरिका नाटो सहयोगी पर हमला करता है, तो सब खत्म हो जाएगा।

' ट्रम्प की धमकी ने उल्टा मेटे की लोकप्रियता बढ़ाई। महिलाओं की पहचान और आत्मविश्वास पर मेटे कहती हैं, अगर लड़कियां खुद को कमतर आंकना छोड़ दें और भरोसे के साथ खड़ी हों, तो वे दुनिया में कुछ भी हासिल कर सकती हैं। मेटे बचपन से ही निडर रहीं।

15 की उम्र में अल्बोर्ग में उन्होंने कुछ लड़कों को एक शरणार्थी को परेशान करते देखा तो अकेले ही भिड़ गईं। इसी दौरान एक लड़के ने नस्लवादी अपशब्द कहते हुए उनके चेहरे पर मुक्का मारा, जिससे उनकी नाक की हड्डी टूट गई।

इसके बाद उन्हें अस्तपताल में भर्ती होकर इलाज करवाना पड़ा। मेटे कहती हैं, यह चोट डर नहीं, उनके साहस की पहचान थी।

लायंस क्लब राबर्ट्सगंज ने आयोजित किया निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। लायंस क्लब अध्यक्ष अजीत सिंह भंडारी, सचिव सुशील पाठक, पूर्व सिंह भंडारी ने कहा कि आज के आयोजन में मोतियाबिंद के मरीजों

राबर्ट्सगंज द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रत्येक माह की 26 तारीख को लायंस भवन में श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय, चित्रकूट के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इस बार 26 मार्च को मैनेजर हेमराज यादव, डॉ श्याम बाबू द्विवेदी, डॉ विक्रम सिंह, सुशील मिश्रा, दिलीप कुमार कुशवाहा, दयाराम सिंह, कुंवर सिंह व टीम के नेतृत्व में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 62 मरीज चित्रकूट भेजे गए। जोन चेयरपर्सन राधिका सिंह, मंडलाध्यक्ष हरीश अग्रवाल, एसोसिएट कैबिनेट सेक्रटरी किशोरी सिंह, दया सिंह, विमल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संगम गुप्ता, घनश्याम दास सिंगल, अशोक गुप्ता, मुकेश कुमार जायसवाल आदि सदस्य उपस्थित रहकर कार्यक्रम को संपन्न कराएं। 58 मरीजों को निःशुल्क चश्मा दिया गया और दवा दी गई। 26 फरवरी 2026 तक 4172 मोतियाबिंद के मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन हो चुका है और 8780 मरीजों की जांच हो चुकी है। अध्यक्ष अजीत को ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया। राधिका सिंह, हरीश अग्रवाल, दया सिंह, परमजीत कौर, विमल अग्रवाल, किशोरी सिंह, जय कुमार केशरी, अभय सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि यह पुनीत कार्य लायंस क्लब द्वारा कई वर्षों से किया जा रहा है। निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में आज तक हुए सभी ऑपरेशन शत-प्रतिशत सफल रहे। 224 मरीजों की जांच हुई जिन्हें चश्मा एवं दवा मुफ्त दिया गया। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज निरंतर इस तरह की सेवा करता रहता है।

सोनभद्रः माँ महागौरी की पूजा और कन्याओं को भोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। चैत्र नवरात्र की अष्टमी उनका पूजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने अपने घरों और राकेश मेहता- पत्नी दीपा मेहता द्वारा यह परंपरा बड़े उत्साह के

तिथि पर गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित इमरती कॉलोनी सहित क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। इस अवसर पर भक्तों ने माँ दुर्गा के आठवें स्वरूप माँ महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। अष्टमी पर कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। इसी परंपरा के तहत घरों में छोटी-छोटी कन्याओं को आमंत्रित कर मंदिरों में साफ-सफाई कर पूजा की तैयारियां शुरू कर दी थीं। कन्याओं के आगमन पर उनके पैर धोकर तिलक लगाया गया और चुनरी ओढ़ाकर आदरपूर्वक बैठाया गया। इसके बाद उन्हें पूड़ी, चना, हलवा सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे गए। कन्याओं को भोजन कराने के साथ उपहार भी भेंट किए गए। वरिष्ठ भाजपा नेता साथ निभाई गई। उन्होंने कहा कि कन्याओं में देवी का स्वरूप निवास करता है, इसलिए अष्टमी के दिन उनका पूजन करने से माँ दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। इस अवसर पर आरोही, मोहिका, नंदनी, जननी, अयास, अनाया, अनन्या, दक्षिता, आयुषी, परी, आरोही आदि लोग मौजूद रहे।

प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में रामनवमी का पर्व मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में बृहस्पतिवार को रामनवमी का पर्व बड़े ही श्रद्धा और में वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने अपने संबोधन में भगवान श्री राम के परिस्थितियों में भी धैर्य रखना चाहिए और सभी का सम्मान करना चाहिए। सभी लोग रामनवमी के अवसर पर भगवान राम के

उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पण के साथ किया गया। छात्र एवं छात्राओं ने रामायण से जुड़े प्रसंगों पर आधारित नाटक, भजन और भाषण प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण भक्ति में हो गया। छोटे-छोटे बच्चों ने राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के रूप आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्री राम का जीवन सत्य, मर्यादा और कर्तव्य निष्ठा का प्रतीक है, जिसे हर विद्यार्थी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बताया कि भगवान राम की तरह हम सभी लोगों को विषम पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लें और जीवन को प्रेम, करुणा और मर्यादा से भर दें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव, मनोज दुबे, योगेंद्र देव पांडे, सुनील श्रीवास्तव, अपर्णा श्रीवास्तव, आकांक्षा तिवारी, संजू पांडे, आंचल पटेल आदि शिक्षक एवं शिक्षिका उपस्थित रहे।

एसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन परेड का निरीक्षण किया,फिटनेस व दंगा नियंत्रण क्षमता मजबूत करने के दिए निर्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड की सलामी ली और पुलिस बल की फिटनेस, अनुशासन तथा दंगा नियंत्रण क्षमता को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल विभिन्न दस्तों का बारीकी से मुआयना किया। इसके बाद, पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के उद्देश्य से सामूहिक दौड़ कराई गई। उन्होंने परेड अनुशासन को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर, पुलिस अधीक्षक ने यूपी-112 और विभिन्न थानों से आए पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) वाहनों की तकनीकी और सुरक्षा जांच भी की। उन्होंने वाहनों में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरण, सुरक्षा सामग्री, कम्युनिकेशन सिस्टम और अन्य आपातकालीन उपकरणों का निरीक्षण किया।ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से उनके उपयोग और रखरखाव के बारे में जानकारी ली गई।कार्यक्रम के दौरान, क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द ने पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। इसके पश्चात, गार्द रजिस्टर प्रस्तुत किया गया, जिसका अवलोकन करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कर्मियों को सतर्कता और सक्रिय पुलिसिंग बनाए रखने के निर्देश दिए।

विद्युत समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र ने रिचार्ज अपडेट ना होने की शिकायतें आ रही हैं। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि उपभोक्ता शिकायतों का

विद्युत संबंधित समस्याओं को लेकर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जनता की समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं होता तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि सरकार के लाख प्रयास के बावजूद भी अधिकारी जनहित के कार्यों में रुचि नहीं ले रहे हैं, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि स्मार्ट मीटर की वर्तमान व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि अचानक बैलेंस जीरो दिखाकर बिना पूर्व सूचना के विद्युत आपूर्ति बंद कर दिया जा रहा है। कई बार घंटों लाइन जुड़ नहीं रही है। प्रीपेड सिस्टम में बार-बार तकनीकी खराबी एवं विभाग द्वारा न ही समय पर समाधान हो रहा है न ही कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी मिल रहे हैं, जिसके कारण स्थानीय जनता को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह ने कहा कि पुराने बकाए को बिना स्पष्ट जानकारी के बिल में जोड़ दिया जा रहा है। जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल ने कहा कि छोटे बकायदारों का रु500 के बकाए पर कनेक्शन काट दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई माननीय बड़े-बड़े बाकाये दार होने के बावजूद आबाध रूप से बिजली आपूर्ति हो रही है, यह दोहरा मापदंड क्यों? इस अवसर पर रवि जायसवाल, राजू जायसवाल, धर्मेंद्र प्रजापति, अमित केसरी, विनोद जायसवाल, जसकीरत सिंह, नागेंद्र मोदनवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड के 1.14 लाख रुपए पीड़ित को वापस दिलाए

सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस ने साइबर ठगी का शिकार हुए एक साक्ष्य जुटाए। संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर, त्वरित एवं

व्यक्ति को उसके 1,14,000 रुपए वापस दिलाए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश पर रायपुर थाना पुलिस और साइबर क्राइम टीम ने की। चंदौली जनपद के बबुरी ग्राम निवासी शशिकांत केशरी पुत्र रामलाल केशरी के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन माध्यम से 1,14,000 रुपए की धोखाधड़ी की थी। पीड़ित की शिकायत पर थाना रायपुर पुलिस ने एनसीआरपी पोर्टल पर मामला दर्ज किया। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के दिशा-निर्देशन और क्षेत्राधिकारी सदर श्री राज सोनकर के कुशल पर्यवेक्षण में, पुलिस ने आवश्यक प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप ठगी गई पूरी धनराशि को होल्ड कराकर पीड़ित को सफलतापूर्वक वापस करा दिया गया। धनराशि प्राप्त होने पर पीड़ित शशिकांत केशरी ने सोनभद्र पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अविनाश कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सूबेदार यादव, हेड कांस्टेबल संजय यादव और महिला कांस्टेबल आलोपरानी की टीम शामिल थी। सोनभद्र पुलिस आम जनता से अपील करती है कि किसी भी प्रकार के साइबर अपराध की सूचना तत्काल नजदीकी थाना, साइबर क्राइम थाना या राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

रामनवमी पर शिक्षा व्यवस्था को नई सौगात,डायट परिसर में नव निर्मित बीएसए कार्यालय का डीएम व सीडीओ ने किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। रामनवमी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी नए शैक्षिक सत्र से

शुभ अवसर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) परिसर में नव निर्मित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय का उद्घाटन जिलाधिकारी श्री बद्रीनाथ नाथ सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया गया। उद्घाटन के पश्चात दोनों अधिकारियों द्वारा कार्यालय में औपचारिक प्रवेश भी किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय के सभी कक्षों का गहनता से निरीक्षण किया गया तथा निर्माण कार्य में शेष रह गए अधूरे कार्यों को तत्काल पूर्ण कराने हेतु कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया गया। उन्होंने संबंधित कार्यालय का संचालन व्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए, जिससे शिक्षा संबंधी कार्यों में और अधिक गति एवं गुणवत्ता लाई जा सके। कार्यक्रम के दौरान जिला विकास अधिकारी श्री हेमन्त सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मुकुल आनंद पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीमती नमिता शरण, जिला परियोजना अधिकारी श्री विनीत सिंह सहित जनपद के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही जनपद के सभी विकास खंडों के खण्ड शिक्षा अधिकारी, डी.सी. शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कार्यालय स्टाफ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी ने मनाई सम्राट अशोक की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर सम्राट वंश के तीसरे एवं सबसे महान सम्राट थे। उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़ बौद्ध धर्म अपना कर अपनी समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो हर समाज को एक साथ लेकर चलने का काम कर रही है और उनके

अशोक की जयंती मनाई गई और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने की और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि सम्राट अशोक भारतीय मौर्य प्रजा के कल्याण के लिए अहिंसा और धर्म का कर्म किए, जिससे हर समाज का भला करने का काम किया। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सड़क से सदन तक हर समाज के लिए लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं और उनकी हर तरह से मदद करने का काम कर रहे हैं। हित की लड़ाई लड़ने का काम कर रही है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव चौधरी यशवंत सिंह पटेल, मोहम्मद शईद कुरैशी, अशोक पटेल, अनिल प्रधान, सरदार पारब्रह्म सिंह, सत्यम पांडे, विमलेश पटेल, कामरान खान, विनीत सरोज, दीपक केसरी, चंद्र भूषण यादव, बच्चोंले सिंह पटेल के साथ दर्जनों कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मधुपुर सोनभद्र में पत्रकारों के साथ धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

(आधुनि समाचार नेटवर्क) मधुपुर/ सोनभद्र। आज मधुपुर में पत्रकार बंधुओं के बीच होली का त्योहार बड़े ही स्नेह और उल्लास के साथ मनाया गया। संयोजक बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित होली के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दीं। यह समारोह स्नेह, एकता और त्योहार की भावना को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ। इस अवसर पर भानु प्रताप, विवेक कुमार पांडे, कन्हैया लाल यादव, आलोक प्रभारी रविकांत मिश्र व हेड कांस्टेबल भरत यादव, कांस्टेबल अखिलेश वर्मा व उनकी टीम तथा अन्य कई पत्रकार बंधु मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।यह होली मिलन समारोह

इस होली मिलन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से आए पत्रकारों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की खुशियां बांटीं और आपसी भाईचारे को मजबूत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पत्रकारों ने पारंपरिक तरीके से होली खेली। संयोजक बृजेश कुमार सिंह ने सबको कबीर (अबीर-गुलाल) लगाकर स्वागत किया और पति तिवारी, अमित कुमार सिंह, पत्रकार बृजेश कुमार सिंह, बलवंत सिंह, जयनाथ मौर्य, शिवदास वर्मा, अभिषेक कुमार, बलिराम मौर्य, नसीम अंसारी, अनिल कुमार, डॉ ,विशाल सिंह मौर्य, बृजेश कुमार मौर्य, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, मुकेश द्विवेदी, रवि मौर्य, रिषभ जायसवाल, गुड्डू चौहान, अभीनव सहित सुकृत पुलिस चौकी पत्रकार समुदाय के बीच आपसी सद्भाव और मित्रता को मजबूत करने का एक सुंदर माध्यम बना। उपस्थित सभी लोगों ने ऐसे आयोजनों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की कामना की। होली की रंगों से रंगीन यह शाम मधुपुर के पत्रकार जगत के लिए यादगार बन गई।

डाक्टर लवकुश प्रजापति को साहित्यमणि सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मधुरिमा साहित्य गोष्ठी द्वारा वरिष्ठ चिकित्सक एवं उपन्यास सोनभद्र की फूलमती के लेखक साहित्यकार डॉ0 लवकुश प्रजापति जगदीश पंथी ने किया। मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के निदेशक अजय शेखर जगदीश पंथी एवं फरीद अहमद ने डाक्टर लवकुश को सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं 21 से उऋण होने का सार्थक प्रयास है। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार सुशील राय, कृष्ण मुरारी गुप्ता,

को स्वर्गीय निरंजन जालन स्मृति - साहित्यमणि सम्मान शुक्रवार जनपद मुख्यालय स्थित श्री शेखर के आवास पर प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार पारस नाथ मिश्रा व संचालन गीतकार हजार रुपए की धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर अर्जुन दास केसरी ने कहा किअपने गुरु के नाम से इतना बड़ा सम्मान देना गुरु ऋण आलोक चतुर्वेदी,अब्दुल हई,ईश्वर विरागी,दिवाकर द्विवेदी मेघ, रामप्रसाद यादव,रामचंद्र देव पांडेय,राजेंद्र प्रसाद, जयराम सोनी,कृपाशंकर दूबे इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र के मुठेर ग्राम में आस्था का सैलाब, 22 वर्षों से जीवंत है माता जी के प्राकट्य की पावन गाथा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। जनपद सोनभद्र की पावन धरा आध्यात्मिकता और लोक-आस्था का अद्भुत संगम है। जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज से मात्र 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मुठेर ग्राम आज एक ऐसा दिव्य केंद्र बन चुका है, जहाँ श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास और माता जी की असीम अनुकंपा साक्षात महसूस की जाती है। वह ऐतिहासिक दिनः 27 सितंबर 2004 मुठेर ग्राम के इतिहास में साल 2004 का वह दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। 27 सितंबर 2004, अश्विन मास, कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि और सोमवार का वह पावन दिन था, जब इस गाँव की पवित्र माटी पर माता जी का प्राकट्य (आगमन) हुआ। ग्रामीणों के अनुसार, उस समय का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया था और तब से आज तक माँ की कृपा का यह सिलसिला अनवरत जारी है। पुजारी जी की जुबानीः श्रद्धा और विश्वास का सफर-मंदिर के मुख्य पुजारी जी से हुई विशेष बातचीत में उन्होंने उस ऐतिहासिक घटना के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि माता जी के यहाँ आगमन का मुख्य उद्देश्य भक्तों का कल्याण और क्षेत्र में सुख-शांति स्थापित करना था। पुजारी जी के अनुसार, पिछले दो दशकों में यह स्थान न केवल स्थानीय बल्कि दूर-दराज के जनपदों के श्रद्धालुओं के लिए भी बड़ी आस्था का केंद्र बन गया है। मान्यताएं और चमत्कार- श्रद्धालुओं का दृढ़ विश्वास है कि मुठेर धाम की चौखट पर जो भी सच्चे मन से मत्था टेकता है, माता जी उसकी झोली कभी खाली नहीं रहने देतीं।

धोनी 2 हफ्ते आईपीएल से बाहर रह सकते हैं,मांसपेशियों में खिंचाव,सीएसके ने पोस्ट में जानकारी दी

नयी दिल्ली। एमएस धोनी आईपीएल 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान इस समय मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। सीएसके की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया, एमएस धोनी फिलहाल काफ स्ट्रेन (पिंडली में खिंचाव) की परेशानी के कारण रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इसके चलते वो आईपीएल 2026 के शुरुआती 2 हफ्तों तक बाहर रह सकते हैं। अगर धोनी पूरे 2 हफ्ते यानि 14 दिन तक बाहर रहते हैं तो वो कम से कम 3 मैच नहीं खेल पाएंगे। सीएसके का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है। इसके बाद उसका अगला मैच 3 अप्रैल को चेन्नई में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। टीम अपना तीसरा मैच 5 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसके ही घर में खेलेगी, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। धोनी इन तीनों ही मैच से बाहर रह सकते हैं। उनकी वापसी 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हो सकती है। आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज प्लेयर धोनी फिलहाल 44 साल के हैं। वे आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। पिछले सीजन ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद उन्हें बीच में ही चेन्नई की कप्तानी करनी पड़ी। उन्होंने टीम को 4 में से 3 मैचों में जीत दिलाई थी। आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच धोनी के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं।

वे अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं। आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान धोनी आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है।

धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है और 87 मैच जीते हैं।

ये 15 फूड हैं नेचुरल लैक्सेटिव,कब्ज से दिलाए राहत,पाचन रखे दुरुस्त, एक्सपर्ट से जानें डाइट में कैसे शामिल करें

नयी दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में खराब लाइफस्टाइल और अनियमित खानपान के कारण कब्ज एक कॉमन समस्या बन गई है। अगर लंबे समय तक कब्ज बना रहे तो इससे बॉडी फंक्शनिंग और ओवरऑल हेल्थ प्रभावित होती

है। 'एबॉट' की गट हेल्थ सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 22फीसदी वयस्कों को कब्ज है। इनमें से 13फीसदी लोग गंभीर रूप से प्रभावित हैं। अक्सर लोग कब्ज से राहत के लिए दवाएं लेते हैं। जबकि नेचुरल लैक्सेटिव कब्ज से राहत दिला सकते हैं। ये ऐसे फूड या सब्सटेंस होते हैं, जिससे बाउल मूवमेंट सुधरता है। इससे स्टूल सॉफ्ट हो जाता है और कब्ज की समस्या नहीं होती है। इसलिए आज जरूरत की

खबर में जानेंगे कि-नेचुरल लैक्सेटिव क्या होते हैं? ये शरीर में कैसे काम करते हैं? किन फूड्स में नेचुरल लैक्सेटिव होता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. नृपेन साइकिया, सीनियर कंसल्टेंट, गैस्ट्रोलॉजी, पीएसआरआई हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- लैक्सेटिव क्या होते हैं? जवाब- लैक्सेटिव यानी ऐसी दवाएं या खाने की चीजें, जो कब्ज में राहत देकर पेट साफ करने में मदद करती हैं। लैक्सेटिव अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। आमतौर पर डॉक्टर पेट साफ न होने पर लैक्सेटिव्स देते हैं। सवाल- नेचुरल लैक्सेटिव क्या होते हैं?

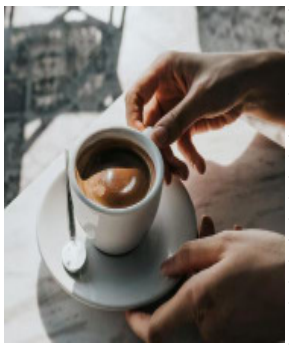

जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव यानी ऐसी नेचुरल चीजें जो पेट साफ करने में मदद करती हैं। इसमें फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां, होल ग्रेन्स शामिल हैं। आर्टिफिशियल लैक्सेटिव की तरह इनमें केमिकल नहीं होता है। ये आमतौर पर रोजमर्रा के खाने का ही हिस्सा होते हैं और धीरे-धीरे, नेचुरल तरीके से कब्ज में राहत देते हैं। सवाल- नेचुरल लैक्सेटिव शरीर में कैसे काम करते हैं? जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव शरीर में दो तरह से काम करते हैं। इनमें मौजूद फाइबर और पानी स्टूल (मल) को मुलायम बनाते हैं, जिससे ये आसानी से पास हो सकें। कुछ नेचुरल ऑप्शन आंतों की हल्की मूवमेंट बढ़ाकर बॉवेल को नियमित रखते हैं। सवाल- कौन से फूड्स नेचुरल लैक्सेटिव होते हैं? जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव वो फाइबर रिच फूड होते हैं, जो पेट को साफ रखने में मदद करते हैं। कुछ फल नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करते हैं। पपीता, अमरूद, सेब (छिलके सहित), नाशपाती, केला (पका हुआ), संतरा, मौसंबी, अंगूर, कीवी और अनार जैसे फल फाइबर से भरपूर होते हैं। फाइबर स्टूल का वॉल्यूम बढ़ाता है और उसे सॉफ्ट बनाता है, जिससे बाउल मूवमेंट आसान हो जाती है। इसके अलावा इन फलों में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो बॉडी को हाइड्रेट रखती है और कब्ज की समस्या कम करती है। अंजीर (ताजा/सूखा) अंजीर में हाई फाइबर होता है, खासकर इसके छोटे-छोटे बीज आंतों को स्टिमुलेट करते हैं। यह स्टूल को सॉफ्ट बनाता है और आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए इसे पहले के समय में कब्ज के घरेलू उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। प्रून्स (सूखा आलूबुखारा) प्रून्स में एक नेचुरल तत्व 'सॉर्बिटोल' होता है। इससे आंतों में पानी एब्जॉर्ब होता है, जिससे स्टूल सॉफ्ट हो जाता है और बाउल मूवमेंट बेहतर हो जाता है। इससे कब्ज में राहत मिलती है। अलसी के बीज

अलसी के बीज फाइबर से भरपूर होते हैं। ये आंतों में जेल जैसा टेक्सचर बनाते हैं, जिससे स्टूल स्मूदली पास होता है और

बाउल मूवमेंट रेगुलर रहता है।कॉफी- कॉफी में मौजूद कैफीन आंतों की मसल्स को स्टिमुलेट करता है। यह कोलन (बड़ी आंत) की एक्टिविटी बढ़ाकर बाउल मूवमेंट को ट्रिगर कर सकता है। इसलिए कई लोगों को कॉफी पीने के बाद तुरंत टॉयलेट जाने की इच्छा होती है। नींबू-नींबू का रस डाइजेशन में मदद करता है। यह गैस्ट्रिक जूस के प्रोडक्शन को बढ़ाता है। गुनगुने पानी के साथ लेने पर बाउल मूवमेंट में मदद करता है। सवाल- कब्ज से बचने के नेचुरल उपाय क्या हैं? जवाब- इसके लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं।सवाल- क्या नेचुरल लैक्सेटिव के साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां, गलत तरीके या ज्यादा मात्रा में नेचुरल लैक्सेटिव लेने पर नुकसान हो सकता है। जैसे बहुत ज्यादा कॉफी पीने से कैफीन टॉक्सिसिटी हो सकती है। थोड़ा विस्तार से समझते हैं- 1. गैस, ब्लोटिंग इसबगोल, चिया सीड्स या ओट्स जैसे नेचुरल लैक्सेटिव्स ज्यादा लेने पर गैस हो सकती है। 2. पेट में ऐंठन या दर्द कुछ नेचुरल लैक्सेटिव्स जैसे प्रून्स या अंजीर ज्यादा मात्रा में नहीं लेने चाहिए। इससे बाउल मूवमेंट बहुत बढ़ जाता है, जिसके कारण क्रैम्प्स हो सकते हैं। 3. डायरिया नेचुरल लैक्सेटिव्स ज्यादा लेने से स्टूल ढीला हो सकता है, लेकिन इससे कब्ज ठीक होने की बजाय डायरिया हो सकता है। 4. डिहाइड्रेशन लैक्सेटिव्स पानी को एब्जॉर्व करते हैं। इसलिए इनके साथ लगातार ढेर सारा पानी पीना जरूरी है। पानी कम पीने पर डिहाइड्रेन हो सकता है। 5. इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन ज्यादा मात्रा में नेचुरल लैक्सेटिव्स लेने पर शरीर में सोडियम-पोटेशियम का बैलेंस बिगड़ सकता है। 6. दवाओं का असर कम हो सकता है इसबगोल या हाई फाइबर नेचुरल लैक्सेटिव्स से कुछ दवाओं के एब्जॉर्प्शन पर असर पड़ता है। 7. एलर्जी कुछ लोगों को नेचुरल लैक्सेटिव फूड से एलर्जी हो सकती है। सवाल- क्या नेचुरल या ओवर-द-काउंटर लिए गए लैक्सेटिव्स पर परमानेंट निर्भरता भी हो सकती है? जवाब- हां, दोनों तरह के लैक्सेटिव्स डिपेंडेंसी पैदा कर सकते हैं। लेकिन यहां यह समझना जरूरी है कि डिपेंडेंसी का जोखिम हमेशा और सबके लिए एक जैसा नहीं होता। डिपेंडेंसी के कुछ कारण हैं- अगर हफ्तों-महीनों तक रोज लैक्सेटिव्स लिए जाएं।अगर बिना डॉक्टर की सलाह के अपने मन से लैक्सेटिव्स लिए जाएं। अगर इंस्टेंट रिलीफ पर फोकस हो, लेकिन लाइफस्टाइल में सुधार न किए जाएं।अगर आईबीएस या थायरॉइड जैसी कोई मेडिकल कंडीशन हो। अगर ओवर-द-काउंटर मिलने वाले स्टिमुलेंट लैक्सेटिव का यूज ज्यादा किया जाए।अगर टॉयलेट जाने का टाइमिंग और रूटीन खराब हो। कुल मिलाकर, नेचुरल लैक्सेटिव रोजमर्रा की डाइट के ऐसे विकल्प हैं, जो पेट को हल्का रखने और पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि ये ज्यादातर सुरक्षित होते हैं, पर हर शरीर का रिस्पॉन्स अलग होता है। इसलिए इन्हें संतुलित मात्रा में लें और अपनी लाइफस्टाइल को भी साथ में बैलेंस रखना जरूरी है। अगर अक्सर कब्ज की समस्या बनी रहती है तो इसे नजरअंदाज न करें।

इस बार कौन सी टीम जीत सकती है आईपीएल,मुंबई खिताब की दावेदार,टीमों का एनालिसिस-पार्ट-2

नयी दिल्ली। आईपीएल का 19वां सीजन आज से शुरू हो रहा है। हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच ओपनिंग मैच होगा। आरसीबी डिफेंडिंग चैंपियन है, वहीं एसआरएच ने 10 साल पहले बेंगलुरु को फाइनल हराकर ही टाइटल जीता था। 2008 में शुरू हुए टूर्नामेंट को 7 टीमें जीत

चुकी हैं, वहीं पंजाब, दिल्ली और लखनऊ को पहले टाइटल का इंतजार है। इस बार इंजर्ड पेसर्स ने 2024 की चैंपियन कोलकाता की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं 5 बार की विजेता मुंबई इंडियंस खिताब की दावेदार नजर आ रही है। आईपीएल आईपीएल टीम एनालिसिस स्टोरी के पार्ट-2 में मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइटराइडर्स, गुजरात टाइटंस, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स की डिटेल्स-कप्तान हार्दिक पंड्या ने मुंबई से पहले गुजरात की कप्तानी की। इतना ही नहीं, 2022 के पहले ही सीजन में टीम को चैंपियन भी बनाया। अगले सीजन टीम रनर-अप भी रही। 2024 में हार्दिक फिर मुंबई में शामिल हुए और कप्तान भी बना दिए गए। तब टीम 10वें नंबर पर रही, लेकिन पिछले सीजन 8 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बना ली। मुंबई ने एलिमिनेटर जरूर जीता, लेकिन क्वालिफायर-2 में पंजाब से हार मिली। हार्दिक ने तब 224 रन बनाने के साथ 14 विकेट भी लिए। वे 60 आईपीएल मैचों में कप्तानी कर चुके हैं, 35 में टीम को जीत और 25 में हार मिली।टीम कॉम्बिनेशन सभी प्लेयर्स फिट हैं, लेकिन दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेज करना पड़ सकता है। चाहर पिछले सीजन इंजरी के कारण ही सभी मैच नहीं खेल सके थे। उनके बैकअप के लिए टीम में शार्दूल ठाकुर मौजूद हैं। पॉसिबल स्टार्टिंग-12ः रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, नमन धीर, हार्दिक पंड्या (कप्तान), शेरफन रदरफोर्ड, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर/मिचेल सैंटनर, मयंक मारकंडे, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट।प्लेयर परफॉर्मेंस जनवरी 2023 के बाद टॉप ऑर्डर ने 149.85 के स्ट्राइक रेट और 31.78 के औसत से रन बनाए। मिडिल ऑर्डर ने 149.08 के स्ट्राइक रेट और 31.98 के औसत से स्कोरिंग की। स्पिनर्स ने 7.88 की इकोनॉमी से 154 विकेट लिए। वहीं पेसर्स के नाम 7.73 की इकोनॉमी से 264 विकेट हैं। पॉसिबल गेम प्लान हर डिपार्टमेंट में स्ट्रॉन्ग मुंबई के पास बैटिंग और बॉलिंग दोनों के दम पर मैच जीतने की ताकत है। टीम अपने होमग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में 225 प्लस रन बनाकर जीतने पर फोकस करेगी। मुंबई के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा 200 प्लस रन चेज करने का रिकॉर्ड भी है। एक्सपर्ट ओपिनियन पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि रोहित को इम्पैक्ट प्लेयर की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उनके फील्ड पर होने से कप्तान को फैसले लेने में आसानी ही होगी। वहीं रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी करनी चाहिए। उनका वर्ल्ड कप एक्सपीरियंस मुंबई के काम आएगा। फाइनल वर्डिक्टः चैंपियन बन सकते हैं।कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 2017 में पहली बार आईपीएल टीम की कप्तानी की थी। तब से वे 38 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं। 14 में टीम को जीत और 23 में हार मिली। पिछले साल केकेआर की कप्तानी संभाली, लेकिन टीम 7 मैच हारकर 8वें नंबर पर रही। रहाणे ने जरूर 147.73 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए, लेकिन टीम प्लेइंग कॉम्बिनेशन में कन्फ्यूज नजर आई। टीम कॉम्बिनेशन हर्षित राणा और आकाशदीप इंजरी के कारण बाहर हो गए, वहीं बांग्लादेश के मुस्तफिजुर

रहमान राजनीतिक विवाद के कारण आईपीएल नहीं खेल पाएंगे। श्रीलंका के मथीश पथिराना भी पूरी तरह फिट नहीं हैं। 4 अहम पेसर्स की गैरमौजूदगी में टीम की बॉलिंग कमजोर हो गई। केकेआर में ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी और सौरभ दुबे की एंट्री हुई, लेकिन तीनों का आईपीएल अनुभव बहुत कम है। पॉसिबल स्टार्टिंग-12ः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, सनील नरेन, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, उमरान मलिक, ब्लेसिंग मुजरबानी। प्लेयर परफॉर्मेंस टॉप ऑर्डर ने 163.99 के स्ट्राइक रेट और 36.26 के औसत से रन बनाए। मिडिल ऑर्डर ने 150.88 के स्ट्राइक रेट और 29.08 के औसत से स्कोरिंग की। स्पिनर्स ने 7.29 की इकोनॉमी से 285 विकेट लिए। पेसर्स के नाम 8.63 की इकोनॉमी से 170 विकेट रहे। पॉसिबल गेम प्लान ख्ंिं में 1 से 8 नंबर पर तक विस्फोटक बैटर्स हैं। गेंदबाजों की कमी के बाद टीम अब बैटिंग के दम पर ही मैच जीतने पर ध्यान देगी। स्क्वॉड में न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम साइफर्ट जैसे विस्फोटक ओपनर्स हैं, जो टीम को पावरप्ले में ही 80-90 के पार पहुंचा सकते हैं। एक्सपर्ट ओपिनियन पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा, कप्तान रहाणे पिछले सीजन प्रेशर में नजर आए। रिंकू सिंह को कप्तानी देने का सही समय आ चुका है। आंद्रे रसेल ने संन्यास ले लिया, टीम ने उनकी जगह कैमरन ग्रीन को जरूर खरीदा, लेकिन वे रसेल के मुकाबले बेहद कमजोर टी-20 प्लेयर हैं। फाइनल वर्डिक्टः बॉटम-4 में फिनिश के चांस है। कप्तान 2022 में डेब्यू के बाद गुजरात टाइटंस ने 4 में से 3 सीजन के प्लेऑफ खेले। हार्दिक के बाद शुभमन गिल ने कमान संभाली। 2024 में फ्लॉप रहने के बाद पिछले साल उन्होंने टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया। हालांकि, टीम मुंबई से एलिमिनेटर हार गई। शुभमन ने जरूर 155.88 के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए। वे पिछले 6 सीजन से लगातार 400 प्लस रन बना रहे हैं। टीम कॉम्बिनेशन पिछले सीजन इंजर्ड रहे ग्लेन फिलिप्स पूरी तरह फिट हैं, वे अपनी ऑफ स्पिन और विस्फोटक बैटिंग से टीम का बैलेंस बढ़ा रहे हैं। जिन्होंने 2025 से 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। पृथ्वीराज यारा इंजर्ड हो गए, उनकी जगह लेफ्ट आर्म पेसर कुलवंत खेजरोलिया को शामिल किया। इनके अलावा सभी प्लेयर्स पूरी तरह फिट हैं। पॉसिबल स्टार्टिंग-12ः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, साई किशोर, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।प्लेयर परफॉर्मेंस टॉप ऑर्डर ने 147.39 के स्ट्राइक रेट और 41.21 के औसत से स्कोरिंग की। मिडिल ऑर्डर ने 142.17 के स्ट्राइक रेट और 23.75 के औसत से रन बनाए। स्पिनर्स ने 7.72 की इकोनॉमी से 254 विकेट लिए। पेसर्स के नाम 8.39 की इकोनॉमी से 190 विकेट रहे। पॉसिबल गेम प्लान रबाडा पिछले सीजन बहुत कम मैच खेल सके थे। इस बार वे फिट हैं, उनका साथ देने के लिए सिराज, प्रसिद्ध, साई किशोर और राशिद हैं। पिछले सीजन पावरप्ले में टीम की बॉलिंग खराब रही, इस बार टीम बॉलिंग के दम पर मैच जीतने पर फोकस करेगी। गिल, सुदर्शन और बटलर फिर एक बार टॉप ऑर्डर में टीम के ज्यादा से ज्यादा रन बनाते हुए नजर आ सकते हैं। एक्सपर्ट ओपिनियन पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने कहा कि गुजरात का टॉप ऑर्डर बहुत अनुभवी है, लेकिन टीम के मिडिल ऑर्डर को सामने आकर परफॉर्म करना होगा। हार्दिक के जाने के बाद टीम को यहां परफेक्ट रिप्लेसमेंट नहीं मिल पाया है। आकाश चोपड़ा ने कहा है कि राशिद की इंजरी से टीम की बॉलिंग में धार नहीं आ पा रही है। फाइनल वर्डिक्टः नंबर-5 से नंबर-6 पर रह सकते हैं।

जवानी में बढ़ रहा नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर,ये संकेत इग्नोर न करें

हेल्दी लिवर के 8 टिप्स

गुरुग्राम। आपका पूरा शरीर तो दुबला-पतला है, लेकिन पेट पर चर्बी चढ़ रही है? गर्दन की मोटाई बढ़ रही है और हर वक्त थकान महसूस होती है? इसे हल्के में मत लीजिए। शरीर में हो रहे ये सारे बदलाव फैटी लिवर का संकेत हो सकते हैं। अब आप ये तर्क दे सकते हैं कि फैटी लिवर तो शराब पीने के कारण होता है और मैं एल्कोहल को हाथ भी नहीं लगाता। तो इसका सीधा जवाब ये है कि फैटी लिवर सिर्फ शराब पीने के कारण नहीं होता। जंक फूड खाने, कोल्ड ड्रिंक पीने और एक जगह पर बैठे रहने जैसी रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी बुरी आदतें भी इस बीमारी को जन्म दे सकती हैं। 'द लैंसेट रीजनल हेल्थ यूरोप' में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस में करीब 2 करोड़ लोग नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर से ग्रस्त हैं, लेकिन 75फीसदी लोगों को इसका पता ही नहीं कि वे जोखिम में हैं। फैटी लिवर डिजीज अब युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। 'जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी' के अनुसार, दुनिया की करीब 38फीसदी आबादी फैटी लिवर से प्रभावित है, जिनमें लगभग 25फीसदी लोग शराब नहीं

पीते। हेल्थ स्टडीज के मुताबिक, शहरी भारत के 30-40फीसदी लोग किसी-न-किसी स्तर की फैटी लिवर समस्या से जूझ रहे हैं। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संजय गोजा, डायरेक्टर, लिवर ट्रांसप्लांट एंड एचपीबी सर्जरी (हेप्टो-पैन्क्रियाटो-बिलियरी), नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज क्या है? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज ऐसी कंडीशन है, जिसमें लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। यह दुनिया की सबसे कॉमन क्रॉनिक लिवर डिजीज है। यह समस्या अक्सर मेटाबॉलिक गड़बड़ियों से जुड़ी होती है, जैसे- पेट के आसपास चर्बी होना, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सवाल- एल्कोहलिक फैटी लिवर और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर में क्या अंतर है? जवाब- एल्कोहलिक और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर दोनों में लिवर सेल्स में फैट जमा होता है, लेकिन दोनों की वजह अलग-अलग होती हैं। एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज- यह समस्या शराब ज्यादा पीने से होती है। शराब लिवर के मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचाती है, जिससे शरीर फैट नहीं पचा पाता या बहुत धीरे पचाता है। यह फैट लिवर में जमा होने लगता है। नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज-इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। इसकी मुख्य वजहें इस प्रकार हैं- मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायाबिटीज, हाई ट्राइग्लिसराइड्स, लो फिजिकल एक्टिविटी अगर दोनों में से किसी भी कंडीशन को समय

पर कंट्रोल न किया जाए, तो लिवर में इंफ्लेमेशन, फाइब्रोसिस और आगे चलकर सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के लक्षण क्या होते हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज को 'साइलेंट डिजीज' भी कहते हैं। दरअसल, इसके लक्षण अक्सर शुरुआती दौर में नजर नहीं आते। लेकिन जैसे-जैसे समस्या बढ़ती है, शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के लक्षण गंभीर होने पर 'सिरोसिस' का रिस्क हो सकता है। ऐसी कंडीशन में ये लक्षण दिख सकते हैं-शरीर अतिरिक्त पानी जमा करने लगता है। इंटरनल ब्लीडिंग हो सकती है। मसल्स कमजोर हो सकती हैं। कंफ्यूजन या याददाश्त में गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- युवाओं में नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर का जोखिम क्यों बढ़ रहा है? जवाब- इसकी सबसे बड़ी वजह लाइफस्टाइल है। आज जीवन में मेहनत कम है और खानपान की आदतें खराब हैं। युवा बाहर का खाना या पैकेज्ड फूड ज्यादा खाते हैं, जिसमें अनहेल्दी फैट, शुगर और कैलोरीज बहुत ज्यादा मात्रा में होती हैं। सवाल- कौन सी आदतें नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के खतरे को बढ़ाती हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज अचानक नहीं होती, बल्कि यह हमारी रोज की कुछ गलत आदतों का नतीजा होती है। खान-पान से लेकर लाइफस्टाइल तक की कुछ खराब आदतें धीरे-धीरे फैटी लिवर का खतरा बढ़ा देती हैं।

सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर कैसे डाइग्नोज होता है? इसके लिए कौन से टेस्ट किए जाते हैं? जवाब- यह बीमारी कई बार रूटीन ब्लड टेस्ट या इमेजिंग जांच के दौरान सामने आती है। डॉक्टर बीमारी की पहचान के लिए कुछ खास टेस्ट करवाते हैं। इमेजिंग टेस्टः अल्ट्रासाउंड, सिटी स्कैन या एमआरआई के जरिए लिवर में जमा फैट को देखा जा सकता है। ब्लड टेस्टः ब्लड टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि लिवर सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं। लिवर बायोप्सीः इस प्रक्रिया में डॉक्टर एक पतली सुई की मदद से लिवर से टिश्यू का छोटा सा सैंपल निकालते हैं, जिसे माइक्रोस्कोप से जांचा जाता है। इन सभी जांचों की रिपोर्ट्स के आधार पर डॉक्टर फैटी लिवर की कंडीशन और उसकी गंभीरता का आंकलन करते हैं। सवाल- क्या नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर को रिवर्स किया जा सकता है? जवाब- हां, शुरुआती स्टेज में यह पूरी तरह रिवर्स हो सकता है। इसका सबसे प्रभावी इलाज लाइफस्टाइल में बदलाव है। वजन कम करके, हेल्दी डाइट लेकर और नियामित एक्सरसाइज करके लिवर से फैट कम किया जा सकता है।सवाल- अपने लिवर को हेल्दी रखने के लिए क्या करें? जवाब- लिवर हमारे शरीर का सबसे मेहनती अंग है, जो डिटॉक्स से लेकर मेटाबॉलिज्म तक कई अहम काम करता है। अगर रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ी-सी सावधानी बरती जाए, तो लिवर को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है और फैटी लिवर जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। लिवर की सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य में गंभीर बीमारियों को न्यौता दे सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम आज ही सतर्क हों, क्योंकि लिवर अगर स्वस्थ है, तो पूरा शरीर स्वस्थ है।

धुरंधर 2 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन रु1006.50 करोड़ पार

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज) ने सबसे तेज 1000 करोड़ रुपए कमाने के मामले में पुष्पा 2 की बराबरी कर ली। दोनों फिल्मों ने ये आंकड़ा 7 दिनों में पार किया। हालांकि 7 दिनों की कुल कलेक्शन 744.58 करोड़ रुपए हो गया है। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होता है। ओवरसीज में फिल्म ने 261.92 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। विदेशी बाजारों में भी फिल्म

कमाई में पुष्पा 2 आगे है, जिसने 1011.65 करोड़ रुपए कमाए थे। धुरंधर 2 दुनियाभर में कमाई के मामले में 10वीं सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म बन गई। धुरंधर को दुनियाभर में 1000 करोड़ कमाने में 22 दिन लगे थे। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के सातवें दिन (बुधवार) फिल्म ने भारत में 47.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। फिल्म ने दुनियाभर में 1006.50 करोड़ रुपए कमाए। धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 623.42 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए 1006.50 करोड़ रुपए पहुंच गया। सातवें दिन फिल्म के हिंदी वर्जन ने 44.00 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा कमाई की। वहीं, तेलुगु में 2.50 करोड़ रुपए, तमिल में 0.85 करोड़ रुपए, कन्नड़ में 20 लाख रुपए और मलयालम में 15 लाख रुपए का कलेक्शन हुआ।धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए की कमाई की थी। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए धुरंधर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए का कारोबार किया। खासतौर पर अमेरिका और कनाडा में फिल्म ने 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया था। दिलचस्प बात यह थी कि फिल्म को शानदार सफलता तब भी मिली, जब इसे खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। इसके अलावा धुरंधर भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म भी बनी थी।

लखनऊ की गलियों से ग्लैमर की चमक तकः एक्टिंग, गायकी और बिजनेस की त्रिवेणी बनीं कंचन अवस्थी

(आधुनिक समाचार सीतापुर) लखनऊ। लखनऊ की सांस्कृतिक मिट्टी से निकली प्रतिभा आज ग्लैमर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना

रही है। कंचन अवस्थी, जो कभी आम जिंदगी का हिस्सा थीं, आज एक्टिंग, सिंगिंग और बिजनेस–तीनों क्षेत्रों में सफलता का परचम लहरा रही हैं। कंचन अवस्थी का सफर संघर्षों से भरा रहा, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। फिल्मों में उनके दमदार अभिनय के साथ-साथ उनकी गायकी ने भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। ग्लैमर इंडस्ट्री में उन्होंने खुद को केवल एक अभिनेत्री तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने बिजनेस विजन से भी अलग पहचान बनाई है। बताया जाता है कि कंचन अवस्थी बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़ी हुई हैं और इंडस्ट्री के कई दिग्गजों के साथ काम कर चुकी हैं। उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, खासकर युवा वर्ग में उनका प्रभाव साफ देखा जा सकता है। उत्तराखंड फिल्म नीति को मिल रहा बढ़ावा-कंचन अवस्थी उत्तराखंड की फिल्म पॉलिसी को प्रमोट करने में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की इस पहल को वे खुलकर समर्थन दे रही हैं और प्रदेश में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। सोशल मीडिया और ओटीटी पर भी छाईं-आज के डिजिटल दौर में कंचन अवस्थी ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उनके वीडियो और प्रोजेक्ट्स को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। महिलाओं के लिए प्रेरणा-कंचन अवस्थी की सफलता उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि अगर जुनून और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर, कंचन अवस्थी आज एक ऐसा नाम बन चुकी हैं जो केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं, बल्कि एक सफल ब्रांड और प्रेरणा का प्रतीक है।

मोनालिसा ने डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए,बोलीं- मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ

कोच्चि। प्रयागराज के कुंभ मेले से चर्चा में आईं मोनालिसा भोंसले ने मंगलवार को डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग के दौरान गलत मोनालिसा ने कहा कि उनके पोस्टर जलाए जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि डायरेक्टर उनके बारे में गलत बातें होने के कारण उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। फरमान ने कहा कि वह श्री नारायण गुरु में विश्वास रखते हैं और उन्होंने उसी के एक मंदिर में शादी की है। बता दें कि

तरीके से छूने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने केरल के कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सनोज मिश्रा अच्छा इंसान नहीं है। उसने मुझे 10 बार गलत तरीके से छुआ। मैंने अपने परिवार को बताया कि सनोज मिश्रा ने मुझे छुआ, लेकिन उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मुझे पता है कि मैंने क्या सहा है। मेरे साथ गलत व्यवहार हुआ है। मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे जब छुआ। मैंने यह बात अपने पूरे परिवार को बताई, लेकिन कहा गया कि यह तुम्हारी पहली फिल्म है। क्या पहली फिल्म के लिए मुझसे रेप करवाओगे? मोनालिसा ने केंद्र सरकार के साथ केरल और मध्य प्रदेश सरकार से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। फैला रहा है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहतीं। पति पर गलत आरोप न लगाने की अपील-मोनालिसा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि उनके पति के खिलाफ शादी को लेकर गलत आरोप न लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि डायरेक्टर उनकी शादी को लव जिहाद बता रहा है और समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहा है। मोनालिसा ने सभी धर्मों के प्रति सम्मान जताया। मोनालिसा ने कहा कि अगर उन्हें उनके पति से अलग करने की कोशिश की गई तो दोनों आत्महत्या कर लेंगे।वहीं, मोनालिसा के पति फरमान ने भी आरोप लगाया कि डायरेक्टर उन्हें आतंकवादी बता रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम परिवार में जन्म लेने और उनका नाम फरमान खान दोनों ने हाल ही में केरल में शादी की है, क्योंकि मोनालिसा के परिवार को यह रिश्ता स्वीकार नहीं था। वे फिल्म शूट के सिलसिले में तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे। इंदौर की रहने वाली मोनालिसा पिछले साल प्रयागराज कुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते हुए एक वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आई थीं। महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष बेचते हुए रातोरात सोशल मीडिया स्टार बनीं महेश्वर की मोनालिसा भोंसले ने केरल में अपने बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ मंदिर में शादी रचा ली है। इस अंतरधार्मिक विवाह ने उत्तर से दक्षिण भारत तक हलचल मचा दी हैकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की शादी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही खान ने इसे सामान्य शादी मानने से इनकार करते हुए इसे 'प्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहाद' बताया है।

हसबैंड का ऑफिस कुलीग से अफेयर थाःवो छोड़कर चला गया, शादी ही तो मेरी पहचान थी, उसके बगैर अकेले कैसे रहूं

नयी दिल्ली। समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से। सवाल- मेरी उम्र 42 साल है। पिछले पांच साल मेरे लिए बहुत मुश्किलों भरे रहे हैं। मेरी 10 साल की शादी टूट गई क्योंकि मेरे हसबैंड का अपने ऑफिस में एक कुलीग के साथ अफेयर हो गया। पहले तो काफी समय तक उसने ये बात मुझसे छिपाए रखी। फिर जब पता चला तो वो मुझे छोड़कर चला गया। पांच साल मैं इस उम्मीद में थी कि शायद एक दिन वो वापस लौट आएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। फाइनली 5 महीने पहले हमारा डिवोर्स हो गया और इसी के साथ वो आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई। मैं वर्किंग वुमन हूं। फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं, लेकिन मुझे भी पता नहीं था कि इमोशनली मैं कितनी डिपेंडेंट हूं। मुझसे अकेले बिल्कुल जिया नहीं जा रहा। लगता है, मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है, मेरी पूरी दुनिया उजड़ गई है। मैं क्या करूं कि किसी तरह फिर से नॉर्मल महसूस कर सकूं, फिर से जिंदगी जी सकूं।अपनी कहानी हमसे शेयर करने के लिए आपका शुक्रिया। आपने जो अनुभव किया है, वह काफी तकलीफदेह है। आप जिस धोखा, ट्रॉमा और इमोशनल तकलीफ से गुजरी हैं, उसे देखते हुए आपकी यह भावनात्मक स्थिति बिल्कुल जायज है। अगर मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो एक बहुत पर्सनल और इंटीमेट रिलेशनशिप में मिले इस धोखे ने आपको इमोशनल दुख पहुंचाने के साथ आपके आत्म-सम्मान, आइडेंटिटी और सेल्फ वर्थ को भी नुकसान पहुंचाया है।आइए इसे ढंग से डिकोड करके समझने की कोशिश करते हैं और इस पर बात करते हैं कि इस तकलीफ से बाहर कैसे निकला जाए। आपके केस का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण- 1. शोक के चरण (कुबलर-रॉस मॉडल) आप इस वक्त संभवतः दुख के इन 5 चरणों से बार-बार गुजर रही हैं- डिनायल या इनकारः पांच साल तक आप इस उम्मीद में बैठी रहीं कि एक दिन वो वापस लौट आएगा। यह क्लासिक डिनायल का केस है। जब तक दुख बिल्कुल सिर पर न आए, तब तक उससे छिपना और इनकार करते रहना। क्रोधः हालांकि आपने यह साफ नहीं किया है कि आपका गुस्सा अपने

हसबैंड के प्रति है या उस दूसरी महिला के प्रति या खुद के प्रति। यह एक दबा हुआ गुस्सा हो सकता है, जो कई बार उदासी के रूप में दिखाई देता है। बारगेनिंग या सौदेबाजीः अपने मन में ये सोचना, 'अगर मैंने चीजें दूसरी तरह से की होतीं तो शायद वह मुझे छोड़कर नहीं जाता।' जिन रिश्तों में इमोशनल डिपेंडेंसी होती है, वहां ऐसी फीलिंग होना आम है। डिप्रेशन या अवसादः आप इस वक्त डिप्रेशन में हैं। दुख, निराशा, खालीपन के एहसास जैसी फीलिंग्स से ये बात बिल्कुल स्पष्ट है। स्वीकृतिः फाइनली तलाक के बाद आप इस सच को स्वीकारने की स्टेज तक पहुंची हैं, लेकिन अभी भी मन में शांति नहीं है, एक खोखली सी जीत की फीलिंग है।2. ओवर इमोशनल डिपेंडेंस आपने लिखा है कि आप फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हैं, लेकिन इमोशनली आप इस रिश्ते पर बहुत ज्यादा निर्भर थीं। भले आपको इस बात का एहसास न रहा हो। इसका अर्थ है कि आपकी इमोशनल वेलबीइंग इस शख्स पर बहुत ज्यादा निर्भर थी। आपको उसकी मौजूदगी, साथ, अप्रूवल की जरूरत थी। 3. भरोसे का टूटना और रिजेक्शन का एहसास उसके अफेयर का पता चलना एक गहरे भरोसे के रिश्ते का टूटना है। खासतौर पर तब, जब लंबे समय तक यह अफेयर छिपा हुआ था और आपको इस बारे में पता नहीं था। यह एक गंभीर बिट्रेअल ट्रॉमा है। इस ट्रॉमा के कारण- हमारी भरोसा करने की ताकत को लांग टर्म डैमेज हो सकता है। धोखा खाया व्यक्ति रिजेक्शन या ठुकराए जाने को इंटर्नलाइज कर सकता है। उसके मन में यह बात बैठ सकती है कि वो नाकाफी है, नाकाबिल है, कम है। 4. सेल्फ इस्टीम और आइडेंटिटी को नुकसान जब किसी व्यक्ति की पहचान और उसका सेल्फ वर्थ एक रिश्ते से बंधा होता है तो उस रिश्ते के टूटने के कारण ये नुकसान हो सकते हैं- आइडेंटिटी कनफ्यूजनः ये सोचना कि 'इस रिश्ते के बगैर मैं कौन हूं?' लो सेल्फ इस्टीमः खुद को कमतर महसूस करना। ये सोचना कि मैं प्यार के काबिल नहीं हूं। खुद को बेहतर समझने के लिए सेल्फ स्क्रीनिंग टूल आगे बढ़ने से पहले मैं आपको खुद को बेहतर समझने के लिए एक सेल्फ स्क्रीनिंग टूल दे रहा हूं- इमोशनल रिकवरी स्टेटस स्केल टेस्ट। इस टेस्ट में 10 सवाल हैं। इन सवालों को आपको 1 से 5 के स्केल पर रेट करना है। 1 का अर्थ है- बिल्कुल नहीं और 5 का अर्थ है, हमेशा। हर सवाल का जवाब लिखने के बाद आपको अपना स्कोर चेक करना है। सवाल नीचे ग्राफिक में हैं। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। पहले सवालों के जवाब दीजिए और फिर अपने स्कोर के हिसाब से उसका इंटरप्रिटेशन चेक करिए।चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लान- पहला सप्ताहः स्टेबलाइजेशन और ग्राउंडिंग (मन को स्थिर करना, अपनी जमीन मजबूत करना) लक्ष्यः- दुख को स्वीकारना, इमोशनल बाउंड्रीज बनाना, जीवन में एक डेली रूटीन स्ट्रक्चर बनाना। 1. ग्रीफ जर्नलिंग, अपनी भावनाओं को रोज एक डायरी में लिखें। कुछ भी छिपाना नहीं है। हर बात व्यक्त करनी है। जैसे- मैंने क्या खोया है? मुझे किस बात से डर लगता है? मेरा वो कौन सा हिस्सा है, जो अतीत को पकड़कर रखना चाहता है। वो कौन सी चीज है, जो मुझे आगे बढ़ने से रोक रही है। 2. इमोशनल लेबलिंग और ग्राउंडिंग जब भी इमोशनली बहुत परेशान हों तो इस टेकनीक की प्रैक्टिस करें, जिसका नाम है- 'नेम इट टू टेम इट।' इसका अर्थ है कि अपनी हर फीलिंग को एक शब्द देना।

हसबैंड प्रमोशन लेकर दूसरे शहर चले गए,जॉब, घर, बच्चा अकेले संभाल रही हूं, अकेली और फ्रस्ट्रेट हूं, क्या करूं?

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवालः मैं इंदौर में रहती हूं। मेरी शादी को 9 साल

हो गए हैं। हमारी एक बेटी है, जो पहली क्लास में पढ़ती है। हम दोनों वर्किंग हैं। 2 महीने पहले हसबैंड का प्रमोशन हुआ और वो जबलपुर चले गए। मैं नहीं चाहती थी कि वो प्रमोशन के लिए शहर छोड़ें। मेरे लिए हम दोनों का साथ होना ज्यादा जरूरी था। लेकिन वो नहीं माने। अब मैं बिल्कुल अकेली पड़ गई हूं।

घर-जॉब-बेटी की जिम्मेदारियां अकेले संभाल रही हूं। मैं बहुत फ्रस्टेट हो रही हूं। क्या करूं? जवाबः सबसे पहले तो शुक्रिया। आपने अपनी परेशानी को इतने स्पष्ट तरीके से लिखा है। कई बार जीवन में ऐसे मोड़ आते हैं, जहां कठिन फैसले लेने पड़ते हैं। अगर किसी फैसले का असर पूरे परिवार पर पड़े तो यह और कठिन होता है। आप एक मजबूत महिला हैं, जो घर, जॉब और बच्ची की जिम्मेदारी एक साथ संभाल रही हैं। अगर पति दूसरे शहर चले गए हैं और आपको उनका साथ नहीं मिल पा रहा है तो फ्रस्ट्रेशन होना नॉर्मल है। आइए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और साथ मिलकर कोई रास्ता निकालते हैं। आपकी स्थिति ऐसी है, जहां कोई गलत नहीं है। आपके हसबैंड प्रमोशन लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं, जो करियर के लिए जरूरी है। जीवन में पैसे कमाना, परिवार की बेहतरी के लिए सोचना ये सब सही है। कल को आपकी बच्ची बड़ी होगी, उसकी पढ़ाई के खर्चे बढ़ेंगे, परिवार के कई सपने पूरे करने होंगे। इसके लिए उनका प्रमोशन लेना जरूरी है। हालांकि आपका पॉइंट भी वैलिड है। आप अकेली पड़ रही हैं। जॉब के साथ घर और बच्ची की देखभाल अकेले करनी पड़ रही है। ऐसे में थकान और फ्रस्ट्रेशन हो सकती है। ऐसे में अगर मन में ये फीलिंग घर कर जाए कि 'वो मेरी परवाह नहीं करते या वो सेल्फिश हैं,' तो ये रिश्ते के लिए खतरनाक है। हमें समझना होगा कि दोनों ही अपनी जगह सही हैं। समस्या फैसले में नहीं, बल्कि 'कम्युनिकेशन की कमी' में है।

अब आपको पति के फैसले पर उलझने की बजाय मौजूदा

स्थिति पर बात करनी चाहिए। इसमें सबसे पहला चैलेंज है, 'लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज।' लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज में हैं ये चुनौतियां- आपके हसबैंड प्रमोशन लेकर दूसरे शहर चले गए हैं यानी आप लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज में हैं। इसकी कुछ अपनी चुनौतियां हैं।आपको इन चैलेंजेस से डील करते हुए फ्रस्ट्रेशन हो सकता है, छोटी-छोटी चीजों पर गुस्सा आ सकता है।पार्टनर के दूर जाने पर अकेलापन महसूस हो सकता है, चिड़चिड़ाहट हो सकती है। इसके अलावा घर की सिचुएशंस से अकेले डील करने से शारीरिक-मानसिक थकान हो सकती है। आप दिनभर जॉब करती हैं, शाम को घर आकर बच्ची का होमवर्क, खाना बनाना ये सब आपको ब्रेकडाउन की कगार पर ला सकता है।

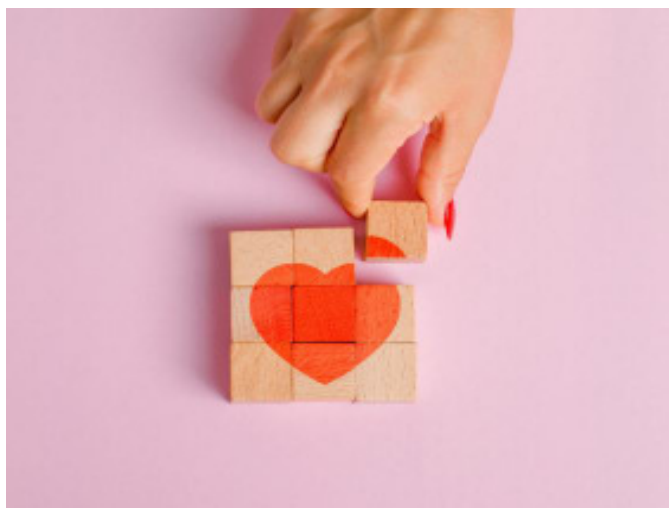

साइकोलॉजी में इसे 'इमोशनल बर्नआउट' कहते हैं।अब ये समझते हैं कि ऐसी स्थिति में पति आपका कितना साथ दे रहे हैं। उनके फैसले में कोई समस्या नहीं है। देखना ये है कि वो इस सिचुएशन को आपके साथ मिलकर कैसे डील करते हैं। वह प्रमोशन लेकर दूसरे शहर गए हैं, ये फैसला भी कहीं-न-कहीं परिवार के लिए ही है। लेकिन अगर वो आपकी फीलिंग्स को इग्नोर कर रहे हैं, या बात नहीं कर रहे, तो वो चिंता की बात हो सकती है। आपके सवाल से लगता है कि दोनों के बीच सिर्फ कम्युनिकेशन की कमी है। ऐसे में मिलकर बातचीत करना और बीच का रास्ता निकालना ही बेहतर है।

इसके लिए बेहतर है कि वीकेंड पर समय निकालकर साथ बैठें और इस बारे में खुलकर बात करें।

आप अपनी फीलिंग्स शेयर करें। पति से क्लियरली बताएं, 'मैं थक जाती हूं, अकेले सबकुछ संभालना मुश्किल है। मुझे तुम्हारी मदद चाहिए।' कई बार महिलाएं सोचती हैं कि पार्टनर खुद समझ जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं होता है। आपको खुलकर अपनी बात कहनी होगी और मदद मांगनी होगी।

फिजिकल हेल्प के लिए क्या करें? आप अकेले घर संभाल रही हैं, तो थकान से बचने के लिए मदद लें। घर के काम के लिए हाउस-हेल्प रखें।

बच्ची को ट्यूशन दिलाएं और प्ले ग्रुप जॉइन कराएं। घर की सफाई के लिए मंथली क्लीनिंग सर्विस लें। इससे आपको थोड़ा रिलीफ मिलेगा।

घर का मैनेजमेंट भी ठीक से होगा।हसबैंड के दूर रहने पर इमोशनल सपोर्ट की ज्यादा जरूरत महसूस होने लगती है। हालांकि वह दूसरे शहर में रहकर भी आपको सपोर्ट कर सकते हैं। इसके लिए- उनसे रोज फोन पर बात करें। वीडियो कॉल में अपनी बेटी के साथ मिलकर कनेक्टेड रहें। हसबैंड से कहें कि वो आपकी बातें सुनें, सॉल्यूशन दें। कोई बड़ा निर्णय मिलकर लें। महीने में कम-से-कम एक बार मिलने की कोशिश करें। अकेलेपन से कैसे डील करें? इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें- दोस्तों से मिलें। फैमिली से बात करें। बच्ची के साथ पार्क जाएं, योग करें। डेली जर्नलिंग शुरू करें।

रोज अपनी फीलिंग्स लिखें। जरूरत पड़े तो काउंसलर से बात करें।बच्चे पर इस सिचुएशन का असर न पड़ने दें -आपकी बेटी अभी छोटी है, उसे माता-पिता दोनों की जरूरत है।

हसबैंड से कहें कि वो वीडियो कॉल से होमवर्क में हेल्प करें। आप भी पॉजिटिव रहें, ताकि बच्ची खुश रहे।

अगर वो अपने पिता को मिस करती है तो साथ में फोटो देखें, स्टोरीज शेयर करें।मन में निगेटिव विचार ज्यादा आने लगें, जैसे- 'दूर रहने से कहीं रिश्ता तो नहीं टूट जाएगा' 'पति मेरी सिचुएशन नहीं समझते हैं।

' ऐसे में तुरंत बात करें। इसे अंदर दबाने से समस्या बढ़ेगी। याद रखें, ये स्थिति टेम्परारी हो सकती है।

कई कपल्स लॉन्ग डिस्टेंस में खुश रहते हैं, बस कम्युनिकेशन स्ट्रॉन्ग होना चाहिए।अंत में यही कहूंगी कि खुद को दोष न दें। आप मजबूत हैं, ये फेज गुजर जाएगा। हसबैंड से कहें कि आपको सपोर्ट चाहिए, और वो देंगे।

रिश्ता दोनों की समझ से चलता है।आप एक प्यारी मां और पत्नी हैं।

ये स्थिति आपको और मजबूत बनाएगी। बच्ची के लिए आप रोल मॉडल हैं। आप अकेली नहीं हैं, लाखों महिलाएं ऐसी स्थिति से गुजरती हैं और जीतती हैं।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।